सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 194, नई दिल्ली । सोमवार, 23 सितम्बर 2024, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

हिसाब किताब सिर्फ ऊपर वाले ने ही सही लगाया, सबको खाली हाथ भेजा और खाली हाथ बुलाया...

03 फिल्म स्टार असरानी राजा जनक के दरबार में मंत्री का किरदार निभाएंगे
06 अतार्किक उपभोग और कचरे का बोझ
08 ग्लोबल कोल ओस्त्री कंपनी का सार्वजनिक सड़कों पर कोयले का निजी परिवहन

दिल्ली में जनहित में कार्य कर रहे क्षेत्रीय कार्यालयों को किस नियम के आधार पर किया गया प्रमुख सचिव परिवहन द्वारा बंद

संजय बाटला

नई दिल्ली। प्रमुख सचिव दिल्ली परिवहन क्या यह जानकारी नहीं रखते की गैजेट नोटिफिकेशन द्वारा जनहित में खोले गए कार्यालयों को बिना जनता को सूचित करें और वापिस बंद करने का गैजेट नोटिफिकेशन जारी किए बंद नही किया जा सकता। प्रमुख सचिव दिल्ली परिवहन ने अपनी इच्छा से जनहित के लिए गैजेट नोटिफिकेशन जारी कर खोले गए कार्यालयों को बिना पूर्व सूचना जारी किए / बिना जनता को सूचना दिए/ बिना नोटिस जारी किए/ बिना पूर्ण कार्यवाही किए दिल्ली में जनहित में चल रहे कार्यालयो को ताले लगवाकर अपने क्षेत्र से कई किलोमीटर दूर के कार्यालय में आने जाने के लिए मजबूर कर दिया। इतना ही नहीं पहले तीन कार्यालयों को एक कर दिया फिर तीन कार्यालयों को एक करवा दिया और विश्वस्त सूत्रों की जानकारी के अनुसार तीन और कार्यालयों को एक करने का निर्णय लिया हुआ है। क्या इतना सीनियर आईएएस अधिकारी ऐसे निर्णय लगातार ले रहा है तो क्या दिल्ली सरकार, मुख्य सचिव दिल्ली और उपराज्यपाल दिल्ली का जनहित और न्याय में इस प्रकार के जारी आदेशों को रद्द करने के आदेश जारी करना नही चाहिए? आखिर नियम और कानून के बाहर किए जा रहे आदेशों पर दिल्ली सरकार, मुख्य सचिव दिल्ली और उपराज्यपाल दिल्ली क्यों चुप हैं ?

...तो अगले एक साल में दिल्ली की सड़कों से हट जाएगी DTC बसें'...

भाजपा नेता विजेंद्र गुप्ता का कहना है कि दिल्ली की सड़कों से लगातार कम हो रही डीटीसी की बसों से जनता की परेशानी बढ़ रही है और यह चिंतनीय है कि दिल्ली सरकार नई बसें खरीदने पर कोई ध्यान नहीं दे रही है। अगर इस साल दिल्ली सरकार ने कोई भी नई बस नहीं खरीदों तो तीन माह में डीटीसी की 394 बसें दिल्ली की सड़कों से हट जाएगी।

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता ने दिल्ली की परिवहन व्यवस्था खराब होने को लेकर दिल्ली सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि दिल्ली की सड़कों से लगातर कम हो रही डीटीसी की बसों से जनता की परेशानी बढ़ रही है और यह चिंतनीय है कि दिल्ली सरकार नई बसें खरीदने पर कोई ध्यान नहीं दे रही है। उन्होंने कहा कि अगर, इस साल दिल्ली सरकार ने कोई भी नई बस नहीं खरीदेगी तो तीन माह में डीटीसी की 394 बसें दिल्ली की सड़कों से हट जाएगी।

नेता प्रतिपक्ष ने अपने जारी बयान में कहा कि सरकार को यह पता होने के बावजूद कि ये बसें अपनी उम्र पूरी कर चुकी हैं और इन्हें सड़कों से हटाना ही पड़ेगा, सरकार ने इसकी कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की। साथ ही नई बसें खरीदने की कोई तैयारी भी नहीं की।

डीटीसी की सभी बसें अपनी उम्र पूरी कर चुके

विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि वर्तमान में जितनी भी डीटीसी की बसें सड़कों पर दौड़ रही हैं, वे सब 2008 से 2011 की अवधि में खरीदी गई थीं। इनकी उम्र 10 साल या साढ़े सात लाख किलोमीटर होती है। ऐसे में यह सभी बसें अपनी उम्र पूरी कर चुकी है, ऐसे में यात्रियों की सुरक्षा के लिए इन्हें सड़क से हटाया जाना जरूरी है।

अब तक 225 बसों को पहले ही हटाया जा चुका

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि जनवरी से अब तक 225 बसों को पहले ही हटाया जा चुका है। इस तरह से दिसंबर तक कुल 619 बसें दिल्ली की सड़कों से गायब हो चुकी होंगी। इसके बाद डीटीसी के बेड़े में बहुत कम बसें ही रह जाएंगी और वो भी अगले एक साल में खत्म हो जाएंगी। उन्होंने कहा कि इससे मजबूरन लोग अपने वाहनों का उपयोग करेंगे इससे दिल्ली में वायु प्रदूषण बढ़ेगा।

पुराने गुरुग्राम तक मेट्रो के विस्तार का जल्द होगा शुरू; बनेगा डायवर्जन प्लान

गुरुग्राम मेट्रो के विस्तार के लिए पुलिस ट्रैफिक डायवर्जन प्लान तैयार करेगी। मिलेनियम सिटी से साइबर सिटी तक 28 .5 किलोमीटर लंबा नया कॉरिडोर बनेगा। इस पर 5452 करोड़ रुपये खर्च होंगे। कॉरिडोर सेक्टर-45 साइबर पार्क सेक्टर-47 सुभाष चौक सेक्टर-48 सेक्टर-72ए हीरो होंडा चौक उद्योग विहार फेज-छह सेक्टर-10 सेक्टर-37 बसई गांव सेक्टर-9 सेक्टर-सात सेक्टर-चार सेक्टर-पांच अशोक विहार सेक्टर-तीन बजघेड़ा रोड आदि स्टेशन होंगे।

गुरुग्राम। पुराने गुरुग्राम में मेट्रो विस्तार को लेकर कागजी तैयारी पूरी हो चुकी है। जमीनी स्तर पर काम शुरू करने के लिए पुलिस से ट्रैफिक डायवर्जन प्लान तैयार करने को कहा गया है। विधानसभा चुनाव संपन्न होते ही पुलिस सर्वे कर प्लान तैयार करेगी।

सर्वे से यह जानकारी हासिल की जाएगी कि काम शुरू होने के बाद कहां-कहां ट्रैफिक का दबाव बढ़ सकता है। साथ ही दबाव को कम करने के लिए किस-किस जगह से ट्रैफिक को डायवर्ट किया जा सकता है। किन जगहों पर काम चलने के स्थायी रूप से पुलिस की तैनाती आवश्यक है, इस बारे में भी सर्वे से जानकारी हासिल की जाएगी।

पुराने गुरुग्राम के इलाके तक होना है विस्तार

मिलेनियम सिटी गुरुग्राम मेट्रो स्टेशन से आगे पुराने गुरुग्राम के इलाके में मेट्रो का विस्तार होना है। कॉरिडोर पुराने गुरुग्राम के भीड़भाड़ इलाके से होकर गुजरेगा। काम करने के लिए जगह-जगह बैरिकेडिंग करनी पड़ेगी। इससे सड़कों की चौड़ाई काफी कम हो जाएगी। ऐसे में ट्रैफिक का दबाव काफी बढ़ जाएगा।

ट्रैफिक डायवर्जन प्लान तैयार करने को कहा गया

दबाव न बढ़े इसके लिए पुलिस को ट्रैफिक डायवर्जन प्लान तैयार करने को कहा गया है। खासकर हीरो होंडा चौक से लेकर रेलवे स्टेशन के इलाके में 24 घंटे ट्रैफिक का दबाव रहता है। उद्योग विहार इलाके में भी सुबह आठ बजे से लेकर रात नौ बजे तक दबाव रहता है। दरअसल, कॉरिडोर कहीं औद्योगिक क्षेत्रों के नजदीक से तो कहीं क्षेत्रों के भीतर से होकर गुजरेगा।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो के चलते रूट डायवर्ट, भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक

ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपोमार्ट में 25 सितंबर से शुरू होने वाले यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो की तैयारियों के चलते नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे और आसपास के मार्गों पर 25 से 29 सितंबर तक यातायात व्यवस्था में बदलाव किया गया है। भारी मालवाहक वाहन मध्यम मालवाहक वाहन और हल्के मालवाहक वाहन प्रतिबंधित रहेंगे। वैकल्पिक मार्गों की जानकारी के लिए लेख पढ़ें।

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपोमार्ट (India Expomart) में 25 सितंबर से शुरू होने जा रहे यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो (UP International Trade Show) की तैयारियां जोरों पर है। कार्यक्रम का उद्घाटन करने के लिए उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ शिरकत करेंगे।

उनके आगमन को ध्यान में रखते हुए वाहनों का रूट डायवर्ट किया गया है। ज्ञात हो कि 11 सितंबर को इंडिया एक्सपो मार्ट में आयोजित सेमीकॉन इंडिया 2024 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगवानी करने के लिए एक दिन पहले 10 सितंबर को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ग्रेटर नोएडा आए थे।

जाम में फंस गए थे सीएम योगी

तैयारियों का जायजा लेने के बाद मुख्यमंत्री को गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय के गेस्ट हाउस पहुंचना था। एक्सपोमार्ट के पास बने अंडरपास से होकर सीधे गेस्ट हाउस जाना था। अंडरपास में वर्षा के कारण जलभराव हो गया था। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री के काफिले को परीचौक होकर वैकल्पिक मार्ग से निकाला। जब मुख्यमंत्री का काफिला परीचौक आया तो जाम में फंस गया।

मुख्यमंत्री के जाम में फंसते ही अधिकारियों में हड़कंप मच गया था। मामले में कार्रवाई करते हुए दो दिन पहले टीआई व टीएसआई निलंबित हुए हैं। ऐसी पुनरावृति

यातायात व्यवस्था में किया बदलाव

दोबारा न हो पुलिस विभाग ने यातायात व्यवस्था में बदलाव किया है। 25 से 29 सितंबर तक नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे (Noida-Greater Noida Expressway) और कार्यक्रम स्थल के आसपास के मार्गों पर सुबह सात बजे से रात 11 बजे तक भारी मालवाहक वाहन, मध्यम मालवाहक वाहन और हल्के मालवाहक वाहन प्रतिबंधित रहेंगे।

आवश्यक वस्तुएं जैसे दूध, सब्जियां, फल, चिकित्सा आपूर्ति आदि लेकर जाने वाले मालवाहक वाहनों को नो एंट्री निर्देशों का पालन करना होगा।

यह रहेंगे वैकल्पिक मार्ग

चिल्ला बॉर्डर से प्रवेश कर जाने वाले वाहन चिल्ला रेड लाइट से यू-टर्न लेकर एनएच-9, 24 से एनएच-91 व ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे होकर जा सकेंगे।

डीएनडी बॉर्डर से प्रवेश कर जाने वाले वाहन डीएनडी टोल प्लाजा से यू-टर्न लेकर एनएच-91 व ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे होकर जा सकेंगे।

कालिन्दी बॉर्डर से प्रवेश कर जाने वाले वाहन ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे और एनएच-91 होकर जा सकेंगे।

यमुना एक्सप्रेस-वे-जेवर टोल की ओर से दिल्ली जाने वाले यातायात को जेवर टोल से पहले बने यू-टर्न से अलीगढ़ की ओर डायवर्ट किया जायेगा।

होंडा सीएल चौक से नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे होकर दिल्ली जाने वाले वाहन सिरसा गोलचक्कर से ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे होकर जा सकेंगे।

सूरजपुर घंटा चौक से परी चौक से यमुना एक्सप्रेस-वे व नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे जाने वाले वाहन तिलपता गोलचक्कर से सिरसा गोलचक्कर से ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे से होकर जा सकेंगे।

25 सितंबर से इंटरनेशनल ट्रेड शो होने जा रहा है। कार्यक्रम को देखते हुए 24 सितंबर से कार्यक्रम समाप्ति तक यातायात व्यवस्था में बदलाव किया गया है।-यमुना प्रसाद, डीसीपी ट्रैफिक

#WakeUpCall : लोकल सड़क सुरक्षा के लिए जागरूक बनें: #VocalForLocalRoadSafety

डॉ.लॉजिस्टिक्स

हमारे देश में ऐसा प्रतीत होता है कि किसी भी बड़ी दुर्घटना या हादसे के बाद ही हम जागते हैं। जब तक किसी की जान नहीं जाती, तब तक न तो आम जनता और न ही संबंधित अधिकारी सड़क सुरक्षा के मुद्दों को गंभीरता से लेते हैं। सितंबर में फरीदाबाद के अंडरपास में हुई दुर्घटना में दो निर्दोष लोगों की जान चली गई, और अब जाकर पूरा सिस्टम जागा है। हाल ही में गुड़गांव में गलत साइड पर गाड़ी चलाने वाले ने एक युवा बाइक चालक की जान ले ली, और यह फिर से पूरे तंत्र के लिए एक 'वेक अप कॉल' बन गया।

लेकिन सवाल यह है कि हमें हर बार 'वेक अप कॉल' की आवश्यकता क्यों पड़ती है? क्यों हम तभी जागते हैं जब कोई मासूम अपनी जान गंवाता है? क्या कोरोना जैसी महामारी के बाद भी हम नहीं जागे? अगर आज भी हम नहीं जागे तो कौन हमें जागाएगा? क्या तब तक हम सोते रहेंगे जब तक कोई और अपनी जान की कुर्बानी नहीं देता?

सड़कों पर दोपहिया वाहन चालकों की सुरक्षा पर ध्यान देना बेहद जरूरी है। हर बार जब कोई हादसा होता है, तब मीडिया में हंगामा मचता है, बयानबाजी होती है, लेकिन असली कार्रवाई कब होगी? ये मीडिया ट्रायल कितने दिनों तक चलेगा? सच तो यह है कि हमारी सड़कों पर कई संभावित खतरों का सामना करने के बावजूद न तो आम जनता इन खतरों को लेकर सतर्क है और न ही संबंधित अधिकारी।

गलत दिशा में वाहन चलाना, बिना हेलमेट के बाइक चलाना, नशे में ड्राइविंग, कम उम्र के बच्चों द्वारा वाहन चलाना – ये सब हमारी सड़कों पर रोजमर्रा की घटनाएं बन चुकी हैं। लेकिन जब तक कोई बड़ी दुर्घटना नहीं होती, कोई इन पर ध्यान नहीं देता। जब हादसा होता है, तो सभी पक्ष एक-दूसरे पर दोषारोपण करने में लग जाते हैं। प्रशासन कहता है कि जनता नियमों का पालन नहीं करती, और जनता प्रशासन की लापरवाही को दोष देती है।

अब समय आ गया है कि हम इस दोषारोपण की संस्कृति को छोड़कर, ठोस कदम उठाएं। अगर हम आज नहीं जागे तो कल बहुत देर हो जाएगी। हमें लोकल सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक होने की आवश्यकता है। यह केवल सरकारी अधिकारियों की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि हम सभी की है। हमें खुद भी सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करना चाहिए और दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करना चाहिए।

आइए, एकजुट होकर सड़क सुरक्षा के लिए #VocalForLocalRoadSafety बनें और एक ऐसा 'वेक अप कॉल' दें जो वास्तव में असरकारक हो। आज हम जागेंगे, तो कल किसी को अपनी जान की कुर्बानी नहीं देनी पड़ेगी। जागो, क्योंकि कल बहुत देर हो सकती है।

सड़क सुरक्षा, जीवन रक्षा।

डॉ. अंकुर शरण, राष्ट्रीय मुख्य परिवहन एवं योजना अधिकारी - रोड सेफ्टी ओमनी फाउंडेशन (रजि.) एक प्रतिष्ठित लॉजिस्टिक्स और सड़क सुरक्षा विशेषज्ञ हैं, जो 16 वर्षों से अधिक अनुभव के साथ सड़क सुरक्षा जागरूकता और लॉजिस्टिक्स प्रबंधन में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। अपने लेखन और अभियानों के माध्यम से, वे सड़क सुरक्षा को जन-जन तक पहुँचाने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। उनके अभियानों का उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं को कम करना और सुरक्षित यातायात का समर्थन करना है।

roadsafetysquad@gmail.com
X@RoadSafetySquad

टेंपल्स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट (पंजीकृत)

TOLWA

website : www.tolwa.in
Email : tolwadelhi@gmail.com
bathlasanjaybathla@gmail.com

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण

रजिस्टर्ड कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063
कॉरपोरेट कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

परिवार का रखना चाहती हैं खास ख्याल, महिलाएं 5 तरीकों की लें मदद, पूरी फैमिली की कर सकेंगी देखभाल

ाया जाए. इससे फैमली के सभी मेंबर्स हैप्पी और हेल्दी फील करेंगे और आप उनकी सुरक्षा को लेकर चिंतित नहीं रहेंगी.

डाइट का रखें ध्यान: आजकल ज्यादातर लोग, खासकर बच्चे जंक फ़ूड को डाइट में शामिल करना पसंद करते हैं. ऐसे में जरूरी है परिवार की महिलाएं अपने लाइफ पार्टनर के साथ मिलकर घर के बड़े और बच्चों की डाइट का ध्यान रखें. साथ ही जंक फ़ूड को अवॉइड करके परिवार के सभी सदस्यों को पोषक तत्वों से भरपूर चीजें सर्व करें. इससे घर के किसी सदस्य की सेहत अनहेल्दी डाइट की वजह से ख़राब नहीं होगी.

एक्सरसाइज पर करें फोकस: फैमिली के सभी मेंबर फिट एंड फाइन बने रहें, इसके लिए जरूरी है कि घर के सभी सदस्यों को डेली एक्सरसाइज करने के लिए प्रेरित किया जाए. ऐसे में आप हर फैमली मेंबर को वॉकिंग, साइकलिंग, योग और स्पोर्ट एक्टिविटी जैसी चीजों को रुटीन में शामिल करने की सलाह दें. इस तरीके से घर के सभी सदस्य फिट एंड फाइन बने रहेंगे.

सेविंग को न करें नजरअंदाज: आपका परिवार हमेशा खुश रहे इसके लिए आर्थिक रूप से मजबूत होना भी जरूरी है, इसलिए घर की महिलाओं के लिए जरूरी है कि वह हर महीने की इनकम से थोड़ी-थोड़ी सेविंग करती रहें. इसके साथ ही घर के मेम्बर्स को फिजूल खर्ची न करने की सलाह दें और खुद भी इस पर अमल करें. इस तरीके से कभी इमरजेंसी आ जाने पर आपको पैसों की टेंशन नहीं रहेगी.

सेफ्टी का रखें ख्याल: आजकल का माहौल काफी ख़राब है, ऐसे में खुद के साथ बच्चों और बड़ो की सेफ्टी का ख्याल भी जरूर रखें. इसके लिए बच्चों की अपब्रिंगिंग का भी ध्यान रखें और उनके स्कूल और दोस्तों से जुड़ी चीजों के बारे में जानकारी हासिल करती रहें. इसके साथ ही घर से बाहर जाते समय सबकी सुरक्षा पुख्ता कर लें, जिससे फैमली में खुशियां और पॉजिटिविटी बरकरार रह सके।

प्रोटीन से भरपूर बाजरा देगा शरीर को कई फायदे, हार्ट भी रहेगा स्वस्थ

गेंहू-चावल की जगह आप बाजरे को अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं, इस को सूपर फूड भी कहा जाता है। जहां चावल में लगभग 82 % कार्बोहाइड्रेट पाया जाता है वहीं गेंहू में 76% और बाजरे में 78% कार्बोहाइड्रेट मौजूद होता है। इसके अलावा बाजरे में कॉम्पलेक्स, कार्बोहाइड्रेट, फाइबर, प्रोटीन, एंटीऑक्सीडेंट्स, विटामिन बी जैसे कई सारे पोषक तत्व पाए जाते हैं जो स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभकारी माने जाते हैं। इसका सेवन करने से पेट लंबे समय तक भरा रहता है। इसके अलावा यह खून में चीनी की मात्रा बढ़ने से भी रोकता है। बाजरे का सेवन करने से डायबिटीज कंट्रोल और हार्ट हेल्दी रखने में मदद मिलती है। तो चलिए आपको बताते हैं इसे खाने से सेहत और क्या-क्या फायदे होते हैं...

नाश्ते में खाने से मिलेगा फायदा

एक्सपर्ट्स की मानें तो यदि बाजरे का सेवन सही समय पर किया जाए तो शरीर को ज्यादा स्वास्थ्य लाभ मिलते हैं। ब्रेकफास्ट के तौर पर आप इसका सेवन कर सकते हैं। इससे आप सारा दिन एनर्जेटिक रहेंगे और आपका पेट भरा हुआ रहेगा। इसके अलावा दोपहर के भोजन में गेंहू या फिर चावल की जगह आप इसका सेवन कर सकते हैं। रात में बाजरे का सेवन करने से पाचन में मदद मिलती है। इसमें फाइबर काफी अच्छी मात्रा में मौजूद होता है जिससे आपको रात में काफी अच्छी नींद आती है।

अच्छी मात्रा में मौजूद होता है प्रोटीन

बाजरे में लगभग 8-12 ग्राम प्रोटीन, फॉक्सटेल बाजरे में 10-12 ग्राम प्रोटीन और रागी में करीबन 7-10 ग्राम प्रोटीन मौजूद होता है। इसके अलावा बाजरे की अलग-अलग किस्म में भी प्रोटीन काफी अच्छी मात्रा

में मौजूद होता है। गेंहू या चावल की जगह आप इसका सेवन कर सकते हैं।

मिनरल्स और विटामिन्स युक्त

बाजरा और रागी में बी1, बी2, बी3, बी5, बी6 और बी9 काफी अच्छी मात्रा में पाया जाता है। यह विटामिन्स एनर्जी बढ़ाने, पाचन और रेड ब्लड सेल्स कोशिकाएं बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसके अलावा रागी में विटामिन-के, ए, कैल्शियम, सेलेनियम और आयरन काफी अच्छी मात्रा में मौजूद होता है। इसके अलावा इसमें कुछ खास एंटीऑक्सीडेंट्स बी सामिल होते हैं जो सुपरऑक्साइज रेडिकल्स का असर कम करते हैं।

हार्ट को रखता है स्वस्थ

एक्सपर्ट्स की मानें तो बाजरे में मैग्नीशियम काफी अच्छी मात्रा में पाया जाता है। यह हार्ट को स्वस्थ रखने के साथ-साथ उसे धड़कने में भी मदद करता है। इसमें पाया जाने वाला प्रोटीन, कार्डियोवेस्कुलर टिश्यू को बचाने में मदद करता है। इसके अलावा इसमें पाया जाने वाला विटामिन-बी3 हार्ट डिजीज का खतरा कम करके ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस कम करने में मदद करता है।

अकेलेपन से नहीं उबर पा रहीं? 5 टिप्स की मदद से खुद को रखें पॉजिटिव, डिप्रेशन एंजाइटी भी रहेंगे दूर

लोगों के बीच रहते हुए भी खुद में अकेलापन महसूस करना आपके मेंटल हेल्थ को काफी प्रभावित कर सकता है. खुद को अगर आप ऐसे हालात से बाहर निकालना चाहती हैं तो कुछ टिप्स की मदद लें.

अकेलापन, हालात नहीं, एक तरह की फीलिंग है जिसमें इंसान भीड़ में रहकर भी खुद को अलग थलग पाता है. यह आपके मेंटल फिजिकल हेल्थ को सीधे तौर पर प्रभावित करता है और अगर आप इस इमोशन को सही तरीके से डील ना कर पाए तो स्ट्रेस, डिप्रेशन, एंजाइटी की गिरफ्त में आसानी से आ सकते हैं. यही नहीं, अधिक दिनों तक अगर आप इस हालात में रहे तो ये आपके शारीरिक सेहत को भी प्रभावित करने लगता है. अगर आप भी इस तरह अकेलापन महसूस कर रहे हैं तो कुछ तरीके हैं जिसकी मदद से आप सकारात्मक महसूस कर सकते हैं.

अकेलेपन को ऐसे करें दूर

क्लब या क्लास ज्वाइन करें

वेरीवेल माइंड के मुताबिक, अगर आप खुद को अलग थलग महसूस करें तो जरूरी है कि आप अपने लिए एक ऐसा ग्रुप ढूंढ लें जिसमें आपके जैसे लोग हों. इसके लिए आप अपने आसपास कोई क्लब या हॉबी क्लास ज्वाइन करें. इस तरह आप एक ग्रुप का हिस्सा बन पाएंगे और खुद को अकेलेपन से बाहर निकाल पाएंगी.

इन उपायों से दूर होगी घर की निगेटिव एनर्जी आगे देखें...

वॉलेंटियरिंग करें

अगर आप अपनी जिंदगी से सेटिस्फाई रहेंगी तो आप बेहतर महसूस कर पाएंगी. इसके लिए आप उन जगहों पर वॉलेंटियरिंग कर सकते हैं जहां काम कर आप लोगों की मदद कर सकें और दूसरों की जिंदगी को आसान बना पाएं. यह भावना आपके अकेलेपन को दूर करने का काम कर सकती है.

ऑनलाइन सपोर्ट

आप सोशल मीडिया का सकारात्मक तरीके से इस्तेमाल करें और फीयर ऑफ मिसिंग आउट वाली फीलिंग से बाहर निकालें. यहां आकर आप लोगों से जुड़ सकते हैं और बातचीत का हिस्सा बन सकते हैं.

अपनों से मिलें जुलें

अगर आप बेहतर महसूस ना कर पा रही हैं तो अपने उन परिवार के सदस्यों, पुराने दोस्तों या टीचर आदि से मिलने का प्लान बनाएं जिनके साथ आप पॉजिटिव महसूस करती हैं. यकीन मानिए, आप ऐसे लोगों से मिलकर बेहतर महसूस करेंगे और आपका मेंटल हेल्थ भी अच्छा होगा.

सेल्फ केयर

खुद के लिए वक्त निकालना शुरू करें. वॉक पर जाएं, रिलैक्स करें, भरपूर नींद लें, अपने पसंद की चीजों को बनाएं और खाएं. डॉक्टर से मिलें, चेकअप कराएं और जरूरी सप्लीमेंट का सेवन करें और खुद को व्यस्त रखें.

पेरेंट्स बच्चों को सिखाएं मातृभाषा का महत्व

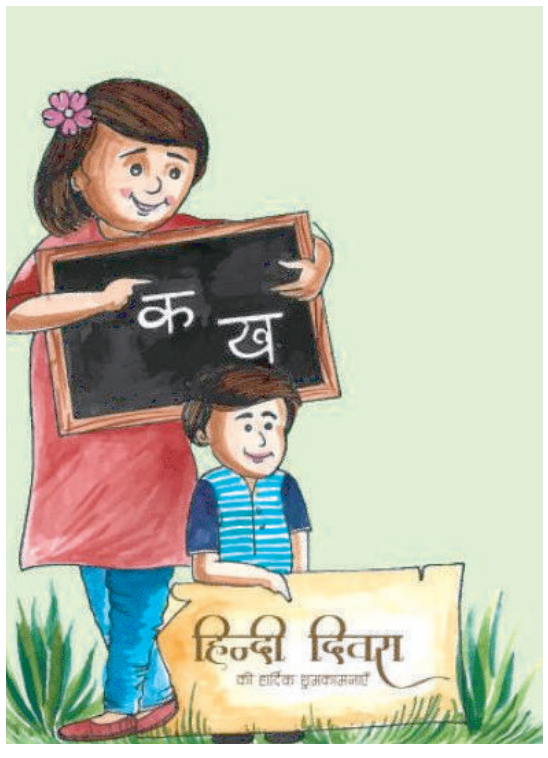

बदलते दौर में अंग्रेजी का चलन इतना बढ़ गया है कि लोग हिंदी भाषा की अहमियत ही भूलते जा रहे हैं। हिंदी दिवस का महत्व बताने के लिए हर साल 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाया जाता है। बदलती पीड़ी हिंदी का महत्व बिल्कुल भूलती जा रही है। ऐसे में बच्चों को अपनी मातृभाषा के पास रखना जरुरी है। बच्चों को हिंदी भाषा की अहमियत बतानी पड़ेगी। उन्हें बताना पड़ेगा कि हिंदी का इतिहास कितना समृद्ध है। आज हिंदी दिवस के मौके पर आपको बताते हैं कि आप बच्चों को मातृभाषा के करीब कैसे रख सकते हैं....

रोजाना करें हिंदी का इस्तेमाल

बच्चे अपने आस-पास जो भी चीजें देखते हैं या सुनते हैं उसको बहुत ही जल्दी सीखते हैं ऐसे में यदि आप चाहते हैं कि वह अपनी भाषा के करीब रहें तो रोजाना की रुटीन में हिंदी भाषा शामिल करें। इस तरह वह हिंदी को जान पाएंगे। हिंदी में आप उन्हें कविताएं, कहानियां, मुहावरें सुनाएं। इससे उनको भाषा भी समझ आएगी और इसके प्रति उनका सम्मान भी बढ़ेगा।

बच्चों को सिखाएं भाषा की अहमियत

व्यक्ति किसी भी चीज की कद्र तभी करता है अगर उसको उस चीज की अहमियत पता हो। ऐसे में जरुरी है कि आप बच्चों को मातृभाषा की अहमियत सिखाएं। पहले बच्चों को स्कूल में यह बताया जाता था लेकिन अब बदलते समय के साथ स्कूल में अंग्रेजी पर ही ज्यादा जोर दिया जाता है। ऐसे में जिंदगी की चुनौतियां भी बढ़ गई हैं इसलिए जरुरी है कि उन्हें भाषा की अहमियत सिखाई जाए।

इतिहास के बारे में बताएं

बच्चों को आप हिंदी भाषा का इतिहास जरुर बताएं। उन्हें बताएं कि हिंदी भाषा में लिखे लेखकों के लेख पूरी दुनिया में प्रचलित हैं। मातृभाषा में काम करने वाले व्यक्ति को पूरी दुनिया में सम्मान की नजर के साथ देखा जाता है। इस तरह की बातें जानकर बच्चों के दिल में हिंदी भाषा के प्रति आत्म सम्मान बढ़ेगा।

स्पीच करवाएं तैयार

आप बच्चों को हिंदी दिवस पर एक स्पीच तैयार करवा सकते हैं। इससे बच्चों को हिंदी बोलनी भी आएगी और उनमें इसे लेकर आत्मविश्वास भी बढ़ेगा।

दिल से लेकर दातों तक को मजबूत करती है ब्रॉकली, जानिए इसे खाने के अनेक फायदे...

ब्रोकली वैसे दिखने में तो गोभी जैसा नजर आता है, लेकिन उससे कहीं ज्यादा फायदेमंद होती है। इसमें भरपूर मात्रा में प्रोटीन पाया जाता है। बता दें प्रोटीन भी हमारे शरीर के लिए बहुत जरूरी है। इसलिए प्रोटीन की पूर्ति के लिए इसका सेवन कर सकते हैं। साथ ही इसमें कैल्शियम, कार्बोहाइड्रेट, आयरन, विटामिन ए, सी और कई दूसरे पोषक तत्व पाए जाते हैं. इसमें कई प्रकार के लवण भी पाए जाते हैं, जो शुगर लेवल को संतुलित बनाए रखने में मददगार हैं....

इम्यूनिटी को बूस्ट करता है ब्रोकली

ब्रोकली में विटामिन सी प्रचूर मात्रा में पाई जाती है। विटामिन सी शरीर के इम्यून सिस्टम को बूस्ट करने और संक्रमण से बचाने में मददगार है।

दिल को रखती है स्वस्थ

इसमें पाए जाने वाले सेलेनियम और ग्लूकोसिनोलेट्स जैसे तत्व दिल को स्वस्थ रखने वाले प्रोटीन को बढ़ाने का काम करते हैं। इसलिए यह दिल की सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है।

लीवर को करता है मजबूत

ब्रोकली को डाइट में शामिल करने से लिवर क्षति का जोखिम कम होता है। साथ ही फैटी लिवर की समस्या में लाभ मिलता है। इसलिए लीवर को मजबूत बनाने के लिए ब्रोकली का सेवन करना चाहिए।

प्रेग्नेंट महिलाओं के लिए भी लाभकारी

ब्रोकली में मौजूद प्रोटीन, आयरन, फोलेट और विटामिन सी जैसे पोषक तत्व प्रेग्नेंट महिलाओं के लिए जरूरी माने जाते हैं। इसलिए प्रेग्नेंट महिलाओं को इसका सेवन जरूर करना चाहिए।

हड्डियों और दांतों की सेहत का रखती है ख्याल

इसमें कैल्शियम प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। जो हड्डियों और दांतों के लिए बहुत लाभकारी है।

निर्माता-निर्देशक राजीव राय की बॉलीवुड में धमाकेदार वापसी, एक नये अंदाज़ के साथ...अस्सी और नब्बे के दशक में

सुषमा रानी

निर्माता-निर्देशक राजीव राय और उनके बैनर त्रिमूर्ति फिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड के नाम की तूती बोलती थी ! इस दौर में उन्होंने त्रिदेव, विश्वात्मा, मोहरा और गुप्त जैसी कई मसाला एंटरटेनर, सुपर हिट फिल्में बनायीं जिनका मधुर संगीत आज तक लोकप्रिय है। राजीव राय की फिल्मों का अपना एक अलग फॉर्मूला होता था-चटपटे डायलॉग्स, दो-तीन हीरो-हीरोइन्स, ज़बरदस्त गन फाइट्स, शानदार फोटोग्राफी... साउंड इफेक्ट्स, बड़े-बड़े तड़कीले-भड़कीले सेट्स, हेलिकॉप्टर शॉट्स और हिट गाने यानी आम दर्शकों के लिए मनोरंजन का भरपूर मसाला !

यही वजह थी कि जब भी उनकी कोई फिल्म रिलीज़ होती थी, तो दर्शक उसे देखने के लिए टूट पड़ते थे ! लेकिन फिर परिस्थितियों और कुछ व्यक्तिगत कारणों से राजीव ने एकाएक फिल्में बनाना बंद कर दिया और विदेश में जा कर बस गये। मगर फिर देश के प्रति प्रेम, अपनी बेमिसाल क्रिएटिविटी और हिंदी फिल्मों के प्रति जुनून ने उन्हें भारत लौटने पर मजबूर कर दिया ! और अब वे अपनी नयी फिल्म ज़ोरा के साथ एक बार फिर निर्माता-निर्देशक के रूप में बॉलीवुड में वापसी कर रहे हैं, लेकिन एक नये और अलग अंदाज़ में अपनी चिर-परिचित शैली के साथ, क्योंकि ज़ोरा भी एक तेज़ रफ्तार मर्डर थ्रिलर है और जिसे राजीव इस साल के अंत तक प्रदर्शित करने का इरादा रखते हैं ! कहते हैं राजीव, ₹मैंने अपनी नयी फिल्म ज़ोरा की शूटिंग पूरी कर ली है और अब उसका पोस्ट- प्रॉडक्शन चल रहा है जो लगभग पूरा हो चुका है। लेकिन मेरी यह फिल्म अपनी पिछली फिल्मों से इस मायने में अलग है कि इस बार मेरी फिल्म में कोई भी बड़ा नाम या स्टार नहीं है। इसमें चालीस नये चेहरे हैं जिनका चुनाव मैंने उत्तर भारत से किया है। और सिर्फ एक गाना है जिसका संगीत विजू शाह ने दिया है। इस फिल्म को मैंने बहुत कम बजट में बनाया है। एक

निर्माता-निर्देशक के रूप में एक तरह से मैंने अपनेआपको चुनौती दी है कि मामूली बजट होने के बावजूद मैं एक बेहद दिलचस्प फिल्म बनाऊँ जो मेरी अब तक की सबसे बेहतरीन फिल्म साबित हो। फिल्म का बजट भले ही कम है, लेकिन अपने कहानी कहने के अंदाज़ या उसके तकनीकी पहलुओं के साथ मैंने किसी तरह का कोई समझौता नहीं किया है। मैंने अपनी यह फिल्म हमेशा की तरह आम दर्शकों के लिए बनायी है

जिन्हें आज हमने 'सिंगल स्क्रीन सिनेमा के दर्शक' या 'मास ऑडिएंस' का नाम दे दिया है। मेरा मानना है कि आज भी मुख्य रूप से आम जनता ही सिनेमा देखने जाती है !₹ लेकिन आखिर राजीव जैसे निर्माता-निर्देशक को छोटे बजट की फिल्म बनाने की क्या ज़रूरत थी जबकि हमेशा से ही उनकी फिल्में बड़े-बड़े सितारों, भव्य सेट्स और कम से कम पाँच-छह सुपर हिट गानों के लिए जानी जाती हैं ? ₹अगर आप गौर करें तो पायेंगे कि मैंने कभी भी अपने दौर के टॉप स्टार्स (जैसे कि अमिताभ बच्चन) के साथ काम नहीं किया। जब मैंने त्रिदेव के लिए सनी देओल और जैकी श्रोफ को साइन किया था हालांकि तब वो नामी और कामयाब स्टार थे, पर तब उनकी पिछली कुछ फिल्में बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास सफल नहीं रही थीं। नसीरुद्दीन शाह भी तब ज़्यादातर आर्ट फिल्मों का ही हिस्सा थे। इसके बावजूद फिल्म कामयाब रही। जब मैंने मोहरा के लिए अक्षय कुमार और सुनील शेट्टी को कास्ट किया था, तब वो उभरते हुए सितारे थे। गुप्त के लिए मैंने बॉबी देओल को तभी साइन कर लिया था जब उनकी पहली फिल्म बरसात की शूटिंग चल रही थी। हालांकि ये सब कलाकार बाद में बड़े-बड़े स्टार बन गये ! मैंने संगीता बिजलानी, अर्जुन रामपाल जैसे सितारों को खोजा और सोनम और दिव्या भारती जैसी उभरती हुई अभिनेत्रियों के कैरियर को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभायी। इनके अलावा और भी ऐसे कई कलाकार हैं जिन्हें मैंने अपनी फिल्मों से ब्रेक दिया और जिन्होंने बाद में फिल्म जगत में अपनी अलग जगह बनायी। नयी प्रतिभाएं हमेशा से मेरा ध्यान आकर्षित करती रही हैं और नये लोगों के साथ काम करने में मैंने कभी संकोच नहीं किया।

ज़ोरा भी एक विशुद्ध कमर्शियल मास एंटरटेनर है। इसके स्क्रिप्ट में ज़्यादा गानों की गुंजाइश नहीं थी, इसलिए फिल्म की ज़रूरत के मुताबिक मैंने इसमें सिर्फ एक ही गाना शामिल किया। इस फिल्म की मेकिंग में मैंने किसी तरह का कोई समझौता नहीं किया है। यह एक दमदार,

स्टाइलिश और मनोरंजक फिल्म है। मुझे यकीन है, ज़ोरा दर्शकों को बहुत पसंद आएगी और फिल्म देखने के बाद वो ज़रूर यह कहेंगे कि इस फिल्म पर राजीव राय की चिर-परिचित छाप मौजूद है !"

लाल किला पर संपन्न हुआ दिल्ली लव कुश रामलीला कमेटी का भूमि पूजन समारोह

सुषमा रानी

नई दिल्ली, दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद ''आप'' के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने रविवार को जंतर-मंतर पर पहली 'जनता की अदालत' लगाई। इस दौरान उन्होंने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत से पांच सवाल पूछे। उन्होंने पूछा कि मोदी जी ईडी-सीबीआई का दुरुपयोग कर पार्टियां तोड़ रहे हैं और सरकारें गिरा रहे हैं, क्या यह देश के लिए सही है ? मोदी जी ने जिन नेताओं को सबसे बड़ा भ्रष्टाचारी बताया, उन्हें ही भाजपा में शामिल करा लिया, क्या आप इन कदमों से सहमत हैं और उन्हें कभी रोका ? लोकसभा चुनाव में जेपी नड्डा ने कहा था कि अब भाजपा को आरएसएस की जरूरत नहीं है, तो क्या बेटा इतना बड़ा हो गया कि वह अपनी मातृ तुल्य संस्था को आंखें दिखा रहा है ? वहीं, आपने क़ानून बनाया था कि 75 साल के बाद भाजपा नेता रिटायर हो जाएंगे, आडवाणी जी को रिटायर कर दिया गया, तो क्या यही नियम मोदी जी पर लागू नहीं होना चाहिए ? केजरीवाल ने इन प्रश्नों पर आरएसएस कार्यकर्ताओं से भी चिंतन करने की अपील की।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आरएसएस वाले कहते हैं कि हम राष्ट्रवादी हैं, हम देशभक्त हैं। आज मैं पूरे सम्मान के साथ आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत से पांच प्रश्न पूछना चाहता हूं। मेरा उनसे पहला सवाल है, जिस तरह मोदी जी देशभर में लालच देकर, ईडी-सीबीआई की धमकी

देकर और डराकर दूसरी पार्टी के नेताओं और उनकी पार्टियों को तोड़ रहे हैं। सरकारें गिरा रहे हैं। क्या यह देश के लिए सही है ? क्या मोहन भागवत को नहीं लगता कि ये जनतंत्र के लिए हानिकारक है ? मेरा उनसे दूसरा प्रश्न है कि मोदी जी ने देशभर में सबसे भ्रष्टाचारी नेताओं को अपनी पार्टी में शामिल करवा लिया। जिन नेताओं को मोदी जी और अमित शाह ने खुद कुछ दिन पहले सबसे बड़ा भ्रष्टाचारी बोला, कुछ दिनों बाद उन्हें भाजपा में शामिल करा लिया। मोहन भागवत बताएं कि क्या वह इस प्रकार की राजनीति से सहमत हैं ? क्या उन्होंने कभी ऐसी भाजपा की कल्पना की थी ?

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मोहन भागवत से मेरा तीसरा प्रश्न है कि भाजपा आरएसएस की कोख से पैदा हुई है। कहा जाता है कि ये देखना आरएसएस की जिम्मेदारी है कि भाजपा पथ भ्रष्ट न हो। मैं मोहन भागवत से पूछता हूं कि क्या वो आज की भाजपा के इन कदमों से सहमत हैं ? क्या आपने कभी प्रधान मंत्री मोदी से ये सब नहीं करने के लिए बोला ? मोहन भागवत बताएं कि क्या उन्होंने प्रधान मंत्री मोदी को कभी ये सब गलत हरकतें करने से रोका ? चौथा प्रश्न, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने लोकसभा चुनाव के दौरान कहा था कि अब भाजपा को अब आरएसएस की जरूरत नहीं है। आरएसएस भाजपा की मां समान है। क्या आज बेटा इतना बड़ा हो गया कि मां को आंखें दिखाने लग गया ? जिस बेटे को पाल पोषकर बड़ा किया ? जिस बेटे को प्रधानमंत्री बनाया ? आज वो बेटा पलटकर अपनी मातृ तुल्य संस्था आरएसएस को आंखें दिखा रहा है। मैं मोहन भागवत से पूछना चाहता हूं कि जब जेपी नड्डा ने ऐसा कहा तो आपके दिल पर क्या गुजरी ? क्या आपको दुख नहीं हुआ ? मैं आरएसएस के हर कार्यकर्ता से पूछता हूं कि जब जेपी नड्डा ने कहा कि हमें आरएसएस की जरूरत नहीं है, तो क्या आरएसएस के कार्यकर्ताओं को दुख नहीं हुआ ?

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मैं मोहन भागवत से भी पूछना चाहता हूं कि क्या आरएसएस इस किस्म की हरकत से सहमत है। मैंने आरएसएस के प्रमुख मोहन भागवत के सामने सारे प्रश्न रखे हैं। मैं उम्मीद करता हूं कि वो इन प्रश्नों के जवाब देंगे। ये प्रश्न केवल मोहन भागवत के लिए नहीं हैं, बल्कि इस देश से प्यार करने वाले हर शख्स, इस देश के हर देशभक्त और भारत माता की पूजा करने वाले उसके हर सपूत से मैं ये प्रश्न पूछता हूं। इस पर चिंतन जरूर करना। आरएसएस के हर व्यक्ति से मैं कहना चाहता हूं। हो सकता है कि आपको केजरीवाल पसंद न हो। हो सकता है आपको आम आदमी पार्टी पसंद न हो, लेकिन देश के खातिर मेरे उठाए गए मुद्दों पर चिंतन जरूर करना।

'बेटे की फीस भरने के लिए हाथ फैलाने पड़े, घर और पैसे छीन लिए', ED पर जमकर बरसे

सुषमा रानी

आप नेता मनीष सिसोदिया ने रविवार को जंतर-मंतर पर जनता की अदालत में बीजेपी और जांच एजेंसियों पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि ईडी ने फर्जी केस कर उन्हें जेल में डाला और उन्हें तोड़ने की कोशिश की। सिसोदिया ने कहा कि ईडी ने उनके घर और बैंक खाते सीज कर दिए जिससे उन्हें बेटे की कॉलेज फीस भरने के लिए लोगों से मदद मांगनी पड़ी।

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने रविवार को जंतर-मंतर पर जनता की अदालत में बीजेपी और जांच एंजेंसियों पर जमकर भड़के। उन्होंने कहा कि ईडी ने फर्जी केस कर उन्हें जेल में डाल दिया। इस दौरान उन्हें जेल में तोड़ने की बहुत कोशिश की। सिसोदिया ने कहा कि ईडी वालों ने उनके घर जब्त कर लिए जो उन्होंने साल 2002 में पांच लाख रुपये में खरीदे थे।

उन्होंने आरोप लगाया कि ईडी ने मेरे बैंक खाते भी सीज कर दिए, जिसमें मेरी सैलरी के 10 लाख रुपये थे। मेरी बीबी बीमार थी। मेरा बेटा कॉलेज में पढ़ता था। बैंक खाते सीज होने के चलते मुझे बेटे के कॉलेज की फीस भरने के लिए मुझे लोगों के सामने हाथ फैलाने पड़े। ये मुझे जेल मानसिक तौर पर प्रताड़ित करते थे। इसके पीछे यही उद्देश्य होता था कि वह मुझे तोड़कर अपनी पार्टी में

शामिल कराए।

हम केजरीवाल के सिपाही, ना झुकेंगे, ना टूटेंगे: सिसोदिया

सिसोदिया ने कहा कि हम अरविंद केजरीवाल के सिपाही हैं, ना झुकेंगे और ना टूटेंगे। हमारे नेताओं को जेल में दिल्ली की जनता के काम रोकने के लिए डाला गया। हमारी सरकार और पार्टी को तोड़ने के लिए जेल में डाला गया। लेकिन मैं बड़े गर्व से कह रहा हूं कि ना ही हमारी पार्टी टूटी और ना ही सरकार गिरी। मुझे आम आदमी पार्टी छोड़ने के लिए तमाम धमकियां और लालच दिए गए। लेकिन मैं टूटा और घबराया नहीं। हम अरविंद जी के सिपाही हैं और उनके साथ मजबूती से खड़े हैं।

अगले दो दिनों तक होगा धूप से सामना, उसके बाद बन रहे बारिश के आसार

दिल्ली में अगले दो दिनों तक तेज धूप और उमस रहेगी। बुधवार से शुक्रवार तक हल्की बारिश का अनुमान है। रविवार को अधिकतम तापमान 36.0 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 25.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सोमवार और मंगलवार को भी मौसम ऐसा ही रहेगा। बुधवार से तीन दिनों तक हल्की बारिश की संभावना है। इस दौरान तापमान में गिरावट आएगी। दिल्ली की वायु गुणवत्ता फिलहाल नियंत्रण में है।

नई दिल्ली। सुबह-शाम भले ही गर्मी के तेवर अब थोड़ा नरम हो गए हों, लेकिन तेज धूप निकलने पर दिन में उमस अभी भी परेशान कर रही है। रविवार को भी दिनभर ऐसा ही मौसम बना रहा, इसीलिए तापमान में भी वृद्धि देखने को मिली। वैसे मौसम विभाग ने बुधवार से शुक्रवार तक एक बार फिर से हल्की वर्षा होने का पूर्वानुमान जारी कर दिया है। रविवार को सुबह ही धूप निकल गई थी, जो दिन चढ़ने के साथ और तीखी होती गई। अधिकतम तापमान सामान्य से दो डिग्री अधिक 36.0 डिग्री जबकि न्यूनतम तापमान सामान्य से एक डिग्री अधिक 25.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हवा में नमी का स्तर 91 से 57 प्रतिशत तक रहा।

फिल्म स्टार असरानी राजा जनक के दरबार में मंत्री का किरदार निभाएंगे

सुषमा रानी

नई दिल्ली। लव कुश रामलीला कमेटी द्वारा लालकिला ग्राउंड में आयोजित प्रेस वार्ता में लव कुश रामलीला कमेटी के कुमार ने मीडिया को बताया लेजेंड फिल्म स्टार असरानी राजा जनक के दरबार में मंत्री का किरदार निभाएंगे, जो सीता स्वयंवर के अवसर पर आए सभी राजाओं को अपने अनोखे हास्य स्टाइल से धनुष भंग करने लिए आमंत्रित करेंगे

फेमस सिंगर शंकर साहनी केवट के रूप में रामलीला में प्रभु श्री राम को नईया पार कराते हुए प्रभु श्री राम का गुनगान भी करेंगे। आम आदमी पार्टी के नेता एवं सीटीआई के चेयरमैन श्री बृजेश गोयल रावण के पराकमी इन्द्र विजयी पुत्र मेघनाद की भूमिका निभायेंगे। आर्मी की मेजर शालू वर्मा महाराज दशरथ की प्रिय पत्नी केकई का किरदार करेंगी।

असरानी ने मीडिया के सवालों का जबाव देते हुए कहा मेरे लिए रामलीला में कोई भी किरदार निभाना मेरे लिए गर्व की बात है। मैं जब भी विदेश गया मुझे वहां मेरे फैंस ने नारद जी कह कर पुकारा क्योंकि मैं लव कुश के मंच पर नारद मुनि का किरदार निभाया था मुझे खुशी हुई की विदेश में भी लव कुश रामलीला का इतना

प्रचार प्रसार है की वहां की युवा पीढ़ी में रामलीला के माध्यम से भारतीय संस्कृति एवं संस्कार आ रहे हैं, इस बार मैं लीला में राजा जनक के दरबार में प्रमुख मंत्री का किरदार निभा रहा हूँ जो सीता जी के स्वयंवर में आये सभी राजाओं को बाबा भोले का धनुष भंग करने के लिए आमंत्रित करेगा, मेरी कोशिश होगी इस किरदार को मैं अपने स्टाइल से पेश करूं। फेमस सिंगर शंकर साहनी ने कहा मैं एक गायक हूँ ,मुझे खुशी है कि इस बार मैं केवट का किरदार निभा रहा हु, मैं प्रभु श्रीराम की महिमा का गुणगान करते हुए श्रीराम, सीता , लक्ष्मण को गंगा पार कराउंगा, इस किरदार के लिए कमेटी ने मेरा चयन किया इसके लिए मैं कमेटी का आभारी हूं।

कमेटी महामंत्री सुभाष गोयल ने बताया लीला मंचन से पूर्व सचखंड नानक धाम के प्रमुख संत त्रिलोचन दास महाराज का श्री राम पर प्रवचन का कार्यक्रम, और विख्यात भजन गायक कन्हैया मित्तल द्वारा खाटू श्याम की भजन संध्या होगी इसी दिन महाराज अनिरूद्धाचार्य के प्रवचन, भजन कार्यक्रम होगा। आप पार्टी के नेता बृजेश गोयल लीला में दशानन रावण पुत्र मेघनाद के किरदार में है । आर्मी बेक ग्राउण्ड कीमेजर शालू वर्मा ने बताया महाराज दशरथ की महारानी केकेई का महत्वपूर्ण किरदार निभाना मेरे लिए बहुत अहम है।

इस अवसर पर लीला कमेटी के पवन गुप्ता, सत्यभूषण जैन, प्रवीण गोयल, दिनेश जैन, अंकुर गोयल, राजकुमार गुप्ता आदि मौजूद रहे।

सरकार में हुए घोटालों और भ्रष्टाचार की जिम्मेदारी लेते हुए सार्वजनिक तौर माफी मांगे केजरीवाल।- देवेन्द्र यादव

सुषमा रानी

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि जंतर मंतर पर भ्रष्टाचारी अरविन्द केजरीवाल को ईमानदार को सर्टिफिकेट दिलाने के लिए लगी ''जनता की अदालत'' में आम आदमी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व और कैबिनेट सदस्यों में अपने चुनाव चिन्ह झाड़ू के प्रति उस वक्त एकाग्रता नही दिखाई दी, जब केजरीवाल झाड़ू को हाथ में लेकर भाड़े की भीड़ के बीच चींख-चींख कर विधानसभा चुनाव में वोट मांग रहे थे। उस वक्त केजरीवाल और मनीष सिसोदिया के अलावा मुख्यमंत्री आतिशी सहित सभी नेताओं ने झाड़ू को हाथ में लेने से परहेज दिखाई दिया। उन्होंने कहा कि जब केजरीवाल को सत्ता और पद का लालच नही है तो क्यों अग्नि परीक्षा के लिए जनता की अदालत में जा रहे है ?

यादव ने कहा कि साधारण नागरिक होने के नाते जनता की अदालत में जाने वाले केजरीवाल के पास मेरे पांच सवालों का जवाब है ? क्या सुप्रीम कोर्ट की जमानत की शर्तें केजरीवाल के अनैतिक तरह से जनता को गुमराह करने से बदल जाएंगी ? क्या जनता को मुद्दों से भटका कर उनका वोट हासिल करके केजरीवाल सुप्रीम कोर्ट से क्लीन चिट मिल जाएगी ? क्या जनता की अदालत को इवेंट बनाकर पेश करने पर भ्रष्टाचार में संलिप्त केजरीवाल को ईमानदारी का सर्टिफिकेट जनता दे देगी ? केजरीवाल का चींख-चींख कर कहना कि जनता बाइज्जत मुझे बरी करेगी तभी वापस मुख्यमंत्री पद पर बैठूंगा, क्या यह बयान सुप्रीम कोर्ट की गरिमा को ठेस पहुचाने वाला

बयान नही है ? अगर पिछले तीन बार की तरह तिगड़म करके जनता को गुमराह करके केजरीवाल जीत भी गए तो क्या नैतिकता और शराब घोटाले के आरोपी होने के नाते वे मुख्यमंत्री पद पर बैठना मर्यादित होगा ?

यादव ने कहा कि सैंकड़ो करोड़ के घोटाले के आरोप में 17 महीने जेल में रहने के बाद आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविन्द केजरीवाल को दिल्ली की जनता की अदालत में सार्वजनिक तौर माफी मांगनी चाहिए। अगर अरविनद केजरीवाल वास्तव में जनता की अदालत में जाकर अपने आपको ईमानदार साबित करने की अग्नि परीक्षा से गुजरना चाहते है, तो सर्वप्रथम वे पार्टी मुखिया पद और विधायक पद से इस्तीफा देकर एक आम आदमी की तरह जनता के बीच जाएं।

उन्होंने बताया कि 10 साल मुख्यमंत्री पद पर रहकर कोई घर नही बनाया, मैं अंदर से दुखी हूँ, पीड़ति हूँ, मैंने जनता की निस्वार्थ सेवा की है, क्या भावनात्मक भाषण से केजरीवाल सहित आप पार्टी के नेताओं द्वारा हुए भ्रष्टाचार खत्म हो सकते है ? मैं दिल्ली की जनता को बताना चाहता हूँ अरविन्द केजरीवाल दिल्ली के हैं नही ? केजरीवाल बाहरी है और अब वक्त आ गया है कि उन्हें आगामी विधानसभा में बाहर भेजना दिल्ली की जनता का काम है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में दिल्ली को बदहाल बनाने वाले केजरीवाल के झूठे और बेबुनियाद वायदों से अब तंग आ चुकी जनता आने वाले विधानसभा चुनाव में बाय-बाय केजरीवाल का मन बना चुकी है।

यादव ने जनता से अपील की कि जब केजरीवाल जनता की अदालत में आपकी विधानसभा में आएं तो उनसे पूछें कि 10 वर्षों में जनलोकपाल गठित क्यों नही किया ? भ्रष्टाचार मुक्त शासन क्यों नही दे पाये ? ईमानदार थे तो जेल जाते ही मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा क्यों नही दिया ? सीएजी की 11 रिपोर्ट को आतिशी द्वारा सार्वजनिक करने के लिए कहें ? अभी तक बिजली कंपनियों का ऑडिट क्यों नही कराया ? शराब घोटाले, शिक्षा घोटाले, स्वास्थ्य घोटाले, जल बोर्ड घोटाले, बिजली घोटाले, टैंकर माफिया का विधायकों के साथ गठबंधन घोटाले, शरान घोटाला, समाज कल्याण घोटाला, गाद निकालने के घोटालों में हुए जनता पैसे की बर्बादी और सरकारी विभागों के अंदर भ्रष्टाचार के मामलों के दोषियों पर कार्यवाही करवाने की कार्यवाही क्यों नही की ?

रात के अंधेरे में दिल्ली के सबवे से एस्केलेटर प्लेट हो जाते थे गायब, पुलिस ने चार कुख्यात चोरों को दबोचा

दिल्ली पुलिस ने कनॉट प्लेस सबवे से एस्केलेटर प्लेट चोरी करने वाले दो कुख्यात चोरों और उनके रिसीवर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के धरपकड़ के लिए टीम गठित थी। पुलिस ने इनके पास से नई दिल्ली नगर निगम के आठ चोरी हुए एस्केलेटर फेसियल प्लेट (स्टेनलेस स्टील) बरामद किए हैं। इस गिरफ्तारी से पुलिस ने चोरी के नौ मामलों को सुलझाने का दावा किया है।

नई दिल्ली। कनॉट प्लेस थाना पुलिस की टीम ने इलाके के सबवे से एस्केलेटर प्लेट चोरी करने वाले दो कुख्यात चारों और उसके रिसीवर को गिरफ्तार किया है। इनके पास से नई दिल्ली नगर निगम के आठ चोरी हुए एस्केलेटर फेसियल प्लेट (स्टेनलेस स्टील) बरामद किए गए।

वहीं इनसे चोरी का सामान लेने वाले रिसीवर को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपितों की गिरफ्तारी से चोरी के नौ मामलों को सुलझाने का दावा किया है। पिछले एक महीने से कनॉट प्लेस थाने में सबवे से एस्केलेटर फेसियल कवर प्लेट चुराने संबंधित कई शिकायतें मिल चुकी थीं।

चोरों को पकड़ने के लिए गठित की गई थी टीम

नई दिल्ली जिले के डीसीपी देवेश मेहला के मुताबिक, चोरी में शामिल आरोपितों को

पकड़ने के लिए थानाध्यक्ष संजीव कुमार के मार्गदर्शन में हेड कांस्टेबल रामबीर, महेंद्र और विजय की एक टीम गठित की गई थी।

जांच के दौरान पुलिस टीम ने 75 से अधिक सीसीटीवी कैमरे खंगाले और आरोपितों की पहचान के लिए मुखबिरों से मदद ली, जिनके द्वारा तीन आरोपितों की पहचान मोहम्मद इम्तियाज, सूरज और रिसीवर बेचन यादव के रूप में हुई, जिन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

परी चौक पर जाम में फंसे सीएम योगी, ट्रैफिक पुलिस कर्मियों पर गिरी गाज; TI और TSI सस्पेंड

परिवहन विशेष न्यूज

ग्रेटर नोएडा के परी चौक पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के काफिले के जाम में फंसने के बाद दो ट्रैफिक पुलिस अधिकारियों को सस्पेंड कर दिया गया है। परी चौक पर लगातार जाम लगने की शिकायतें मिल रही थीं जिसकी जांच के बाद यह कार्रवाई की गई है। सीएम योगी इंडिया एक्सपो मार्ट में आयोजित सेमीकॉन इंडिया 2024 में शामिल होने के लिए 10 सितंबर को पहुंचे थे।

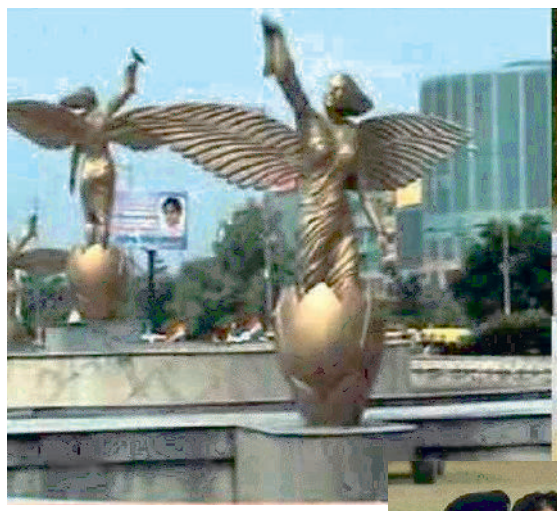

ग्रेटर नोएडा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ (UP CM Yogi Adityanath) के परी चौक के पास जाम में फंसने के मामले में यातायात निरीक्षक (टीआई) संजय पाल और उप निरीक्षक (टीएसआई) प्रभाकर चौहान को निलंबित कर दिया गया। हालांकि पुलिस अधिकारियों का कहना है कि परीचौक आएदिन जाम लगने की शिकायतें मिल रही थीं। इसकी जांच कराई गई। कार्य में लापरवाही बरतने की वजह से दोनों पर कार्रवाई की गई है।

ज्ञात हो कि 11 सितंबर को इंडिया एक्सपो मार्ट में आयोजित सेमीकॉन इंडिया 2024 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगवानी करने के लिए एक दिन पहले 10 सितंबर को योगी आदित्यनाथ ग्रेटर नोएडा आए थे। तैयारियों का जायजा लेने के बाद मुख्यमंत्री को गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय के गेस्ट हाउस पहुंचना था।

वैकल्पिक मार्ग से निकाला काफिला

एक्सपोमार्ट के पास बने अंडरपास से होकर सीधे गेस्ट हाउस जाना था। अंडरपास में वर्षा के कारण जलभराव हो गया था। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री के काफिले को परीचौक होकर वैकल्पिक मार्ग से निकाला था। जब मुख्यमंत्री का काफिला परीचौक आया तो जाम में फंस गया।

लोगों ने बनाई वीडियो

मुख्यमंत्री के जाम में फंसते ही अधिकारियों में हड़कंप मच गया था। आसपास खड़े वाहन चालकों व राहगीरों ने इसकी वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित कर दी थी। कुछ लोगों ने यातायात व्यवस्था को लेकर ट्रोल करते हुए टिप्पणी भी की थी।

परीचौक पर लगातार जाम लगने की शिकायत मिल रही थी। जिसकी एसीपी से जांच कराई थी। सड़क की पटरियों पर भी अतिक्रमण मिला। कार्य में लापरवाही बरतने के मामले में यातायात निरीक्षक व उप निरीक्षक को निलंबित किया गया है।

निलंबन करने का और कोई कारण नहीं है। -यमुना प्रसाद, डीसीपी यातायात, गौतमबुद्ध नगर

ग्रेटर नोएडा के ट्रकर्स प्वाइंट पर बढ़ेंगी सुविधाएं, ढाबा खोलने के लिए प्राधिकरण ने निकाली योजना; जानें प्रोसेस

परिवहन विशेष न्यूज

ग्रेटर नोएडा के ट्रकर्स प्वाइंट पर जल्द ही सुविधाओं का विस्तार होगा। प्राधिकरण ने ट्रकर्स प्वाइंट पर एक ढाबा और दस दुकानों के आवंटन की योजना निकाली है। इनका आवंटन नीलामी के माध्यम से होगा। इसके अलावा प्राधिकरण सेक्टरों में भी निर्मित दुकान व क्योस्क आवंटित करेगा। योजना में कुल 43 दुकान व नौ क्योस्क का आवंटन होगा। आवेदन प्रक्रिया 20 सितंबर से शुरू हो गई है।

ग्रेटर नोएडा। ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस वे के नजदीक सिरसा इंटरचेंज में बनाए गए ट्रकर्स प्वाइंट पर चालकों को सुविधाएं मुहैया होंगी। उन्हें भोजन आदि की सुविधा मिलेगी। प्राधिकरण ने ट्रकर्स प्वाइंट पर एक ढाबा और दस दुकानों के आवंटन की योजना निकाली है। इनका आवंटन नीलामी के माध्यम से होगा। प्राधिकरण सेक्टरों में भी निर्मित दुकान व क्योस्क भी आवंटित करेगा। योजना में कुल 43 दुकान व नौ क्योस्क का आवंटन होगा। बीस सितंबर से आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

गौतमबुद्ध नगर में ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस वे के जरिये बड़ी संख्या में वाहनों की आवाजाही होती है। सिरसा गांव के नजदीक बने इंटरचेंज से वाहनों एक्सप्रेस वे पर निकासी व प्रवेश करते हैं। वाहन चालकों की सुविधा के लिए प्राधिकरण ने इंटरचेंज के नजदीक दस एकड़ में ट्रकर्स प्वाइंट विकसित किया है, लेकिन अभी तक यहां सुविधाओं का अभाव है।

पंजीकरण के लिए 18 अक्टूबर तक का समय दिया गया

ट्रकर्स प्वाइंट पर लोगों को खाने पीने व जरूरी सामान की उपलब्धता के लिए 400 वर्गमीटर क्षेत्रफल में एक ढाबा व 18.48 वर्गमीटर में 10 दुकानों का निर्माण किया गया है। इनके आवंटन के लिए प्राधिकरण ने योजना निकाली है। योजना में 15 अक्टूबर तक आवेदन का मौका दिया गया है। दस्तावेज व पंजीकरण शुल्क के लिए 18 अक्टूबर तक का समय दिया गया है।

सेक्टरों में 43 दुकानों व 9 क्योस्क का भी नीलामी से आवंटन

प्राधिकरण के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी एसीईओ आशुतोष कुमार द्विवेदी ने बताया कि ट्रकर्स प्वाइंट के अलावा गामा एक, बीटा दो, डेल्टा एक, डेल्टा दो, स्वर्णनगरी, ईकोटेक दो, कासना बस डिपो, ओमीक्रोन तीन, फाई तीन आदि सेक्टरों में 43 दुकानों व 9 क्योस्क का भी नीलामी से आवंटन होगा। आवंटी को एक माह के अंदर कब्जा दिया जाएगा। इनके आवंटन से लोगों को सेक्टर भी जरूरी सामान की खरीदारी की सुविधा मिल जाएगी।

पत्नी से वीडियो कॉल पर बात कर रहा था कॉन्स्टेबल, अचानक पिस्टल निकाली और...

परिवहन विशेष न्यूज

नोएडा के रबूपुरा कोतवाली में तैनात एक कांस्टेबल ने शनिवार देर रात सरकारी असलहे से खुद को गोली मार ली। वह अपनी पत्नी से वीडियो कॉल पर बात कर रहा था तभी उसने यह कदम उठाया। पुलिस जांच में पता चला है कि वह पारिवारिक कलह से परेशान था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया है।

ग्रेटर नोएडा। रबूपुरा कोतवाली में तैनात एक कांस्टेबल ने शनिवार देर रात सरकारी असलहे से खुद को गोली मार ली। पुलिसकर्मियों ने आनन-फानन में उसे नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

एडीसीपी ग्रेटर नोएडा अशोक कुमार शर्मा ने बताया कि 30 वर्षीय अंकुर राठी मूलरूप से मुजफ्फरनगर के रहना वाला था। वह रबूपुरा कोतवाली में सिपाही के पद पर तैनात था। अंकुर लंबे समय से पारिवारिक कलह से जूझ रहा था।

वीडियो कॉल के दौरान पिस्टल से मारी गोली

पुलिस जांच में सामने आया है कि वह शनिवार रात करीब 11 बजे कोतवाली प्रभारी की जीप में ईंधन डलवाने के लिए मोहम्मदपुर गांव वाहन लेकर अकेले गया था, तभी उसके मोबाइल फोन पर पत्नी का वीडियो कॉल आया। किसी बात पर उसका अपनी पत्नी के साथ झगड़ा हो गया। गुस्से में आकर वीडियो कॉल के दौरान ही उसने सरकारी पिस्टल से अपने आपको गोली मार ली।

पत्नी ने मामले की सूचना कोतवाली में तैनात एक सिपाही को दी, जिसके बाद पुलिस के अधिकारियों ने सिपाही की सीडीआर निकालकर उसकी लोकेशन तलाश की और मौके पर पहुंचकर उसे नजदीकी अस्पताल भर्ती कराया, जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। एडीसीपी ने बताया कि पारिवारिक कलह के चलते सिपाही ने खुद को गोली मारी थी। पोस्टमार्टम कराने के बाद शव पीड़ित स्वजन को सौंप दिया है।

नई प्लॉट स्कीम निकालेगी यमुना अथॉरिटी, किसानों से जमीन खरीदने का प्लान तैयार

परिवहन विशेष न्यूज

यमुना प्राधिकरण (यीडा) के नए सेक्टरों के लिए जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया जल्द शुरू होगी। प्राधिकरण ने जिला प्रशासन को 1700 हेक्टेयर जमीन अधिग्रहण का प्रस्ताव भेजा है। शासन ने गौतमबुद्ध नगर के लिए जमीन अधिग्रहण की सीमा को बीस प्रतिशत तक बढ़ा दिया है। जमीन पर कब्जा मिलने पर विकास योजनाओं के अलावा आवंटन के लिए नई प्लॉट योजना निकाली जाएंगी।

ग्रेटर नोएडा। यमुना प्राधिकरण (यीडा) के नए सेक्टरों के लिए जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया जल्द शुरू होगी। अधिग्रहण की अधिसूचना जारी करने के लिए जिला प्रशासन की ओर से शासन को प्रस्ताव भेजा जाएगा। प्राधिकरण के मास्टर प्लान 2041 में नियोजित सेक्टरों को विकसित करने के लिए प्राधिकरण ने जिला प्रशासन को प्रस्ताव भेज रखा है। इन प्रस्ताव के जरिये 1700 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण होगा।

नियमानुसार किसी भी जिले में सिंचित क्षेत्र का पांच प्रतिशत जमीन ही विकास परियोजना के लिए अधिगृहीत की जा सकती है, लेकिन गौतमबुद्ध नगर में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट समेत तीनों प्राधिकरण की विकास परियोजना के लिए अधिगृहीत की गई जमीन के कारण पांच प्रतिशत की सीमा पहले ही पूरी हो चुकी है। इस वजह से यमुना प्राधिकरण की ओर से जिला प्रशासन को भेजे गए जमीन अधिग्रहण के प्रस्ताव भी खटाई में पड़ गए थे।

प्रशासन के पास लंबित हैं 1700 हेक्टेयर जमीन के प्रस्ताव

विकास परियोजना के लिए जमीन की अड़चन दूर करने को जिला प्रशासन ने जमीन अधिग्रहण की सीमा को बढ़ाने का प्रस्ताव शासन को भेजा था। जिला प्रशासन के प्रस्ताव पर शासन ने गौतमबुद्ध नगर के लिए जमीन अधिग्रहण की सीमा को बीस प्रतिशत तक बढ़ा दिया है।

प्राधिकरण ने मास्टर प्लान 2041 में आवासीय, औद्योगिक, मल्टी परपज उपयोग समेत विभिन्न श्रेणी के लिए सेक्टर नियोजित किए हैं। इन सेक्टरों के लिए 1700 हेक्टेयर जमीन के प्रस्ताव जिला प्रशासन के पास लंबित हैं। यमुना प्राधिकरण ने जिला प्रशासन से जमीन अधिग्रहण की कार्रवाई तेजी से आगे बढ़ाने का आग्रह किया है।

नई प्लॉट योजना निकालेगा यीडा

प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ. अरुणवीर सिंह का कहना है कि सेक्टर पांच, आठ, आठ डी, सेक्टर 10, 11 में जमीन अधिग्रहण का प्रस्ताव जिला प्रशासन के पास है। जमीन पर कब्जा मिलने पर विकास योजनाओं के अलावा आवंटन के लिए नई प्लॉट योजना निकाली जाएंगी।

सेक्टर आठ में पोस्टल विभाग को लाजिस्टिक के लिए प्लॉट दिया जाएगा। सेक्टर पांच आवासीय श्रेणी में है। इसमें सोसायटी के अलावा सामान्य प्लॉट की योजना निकालकर आवंटन किया जाएगा।

सहमति से भी क्रय की जा रही है जमीन

प्राधिकरण फिल्म सिटी, औद्योगिक सेक्टरों के अतिरिक्त विकास परियोजनाओं के लिए किसानों की सहमति से भी जमीन क्रय कर रहा है। किसानों से सीधे जमीन क्रय करने का असर जिले में भूमि अधिग्रहण की अधिकतम सीमा पर नहीं पड़ेगा।

छह हजार हेक्टेयर का लैंड बैंक बनाने की योजना

यमुना प्राधिकरण की योजना चालीस गांव की करीब छह हजार हेक्टेयर जमीन अधिगृहीत करने की है। इस जमीन से प्राधिकरण लैंड बैंक तैयार करेगा। यह जमीन भविष्य में प्राधिकरण की विकास परियोजना एवं प्लॉट योजना में आवंटित होगी।

चिकित्सक आंदोलन व ममता की प्रवृत्ति

केंद्र सरकार और अदालतों के आदेशों के प्रति पूर्वाग्रह का नजरिया रखने वाली पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की विरोध की यह प्रवृत्ति चिकित्सकों के आंदोलन में काम नहीं आ सकी'

संघीय ढांचे के तहत बने कानूनों और अदालतों के आदेशों के प्रति अडियल रुख अपनाने वाली पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को आखिरकार अपने ही लोगों के सामने घुटने टेकने पर मजबूर होना पड़ा। महिला चिकित्सक से बलात्कार और हत्या के बाद चले आंदोलन से ममता के तेवर ढीले पड़ गए। ममता ने कल्पना भी नहीं की होगी कि पश्चिम बंगाल में यह आंदोलन सरकार की चूलें हिला देगा। केंद्र सरकार और अदालतों के आदेशों के प्रति तीखे तेवर अपनाने वाली ममता इस्तीफा तक देने को तैयार हो गई। ममता की समझ में आ गया कि राजनीतिक द्वेषवश केंद्र सरकार की उपेक्षा की जा सकती है, किन्तु प्रदेश की सत्ता में बने रहने के लिए राज्य के लोगों की नाराजगी सत्ता से बाहर का रास्ता दिखा सकती है। आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में महिला चिकित्सक के साथ कथित बलात्कार और हत्या के मामले में तृणमूल कांग्रेस की सरकार के खिलाफ देश ही नहीं, विदेशों में भी आंदोलन हुए। इस घृणित अपराध के विरोध में ममता सरकार की निष्क्रियता के खिलाफ पश्चिम बंगाल के हर वर्ग ने राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन किया। हड़ताली चिकित्सकों ने मेडिकल शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के निदेशकों और कोलकाता पुलिस कमिश्नर विनीत गोयल को पद से हटाने की मांग की। ममता बनर्जी ने कुछ ही दिनों पहले कहा था कि वो पुलिस कमिश्नर विनीत गोयल को दुर्गा पूजा तक उनके पद पर बनाए रखेंगी।

भारी विरोध के बाद आखिरकार गोयल का तबादला करना पड़ा। हड़ताली चिकित्सकों का कहना है कि अस्पतालों में उनके सुरक्षा इंतजाम पुख्ता किए जाएं। वे मांग कर रहे हैं कि सरकार यह बताए कि 100 करोड़ रुपए का बजट किस प्रकार अस्पतालों में डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए खर्च किया जाएगा। उन्होंने अस्पतालों में सुरक्षा उपायों को लागू करने के लिए रेफरल सिस्टम को सुधारने और भर्ती में भ्रष्टाचार पर रोक लगाने की भी बात कही। जूनियर डॉक्टर मेडिकल कॉलेजों में छात्र संघ चुनाव कराए जाने और संस्थानों की नीतियों में उनका रिप्रेजेंटेशन बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। वे चाहते हैं कि छात्र संघ चुनाव के माध्यम से उनकी आवाज को प्रमुखता दी जाए ताकि उनकी समस्याओं का समाधान हो सके। पश्चिम बंगाल में अराजकता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि महिला चिकित्सक से दुष्कर्म और हत्या के बाद अराजक तत्वों ने अस्पताल पर हमला कर दिया। चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ और मरीजों को अपनी जान बचाकर भागना पड़ा। असामाजिक तत्वों ने अपराध के घटनास्थल पर तोड़-फोड़ की और अपराध के सबूत मिटाने का प्रयास किया। इस मामले में मेडिकल कॉलेज और पुलिस प्रशासन परोक्ष तौर पर आरोपियों के पक्ष में खड़ा नजर आया। दुष्कर्म और हत्या को आत्महत्या का मामला बता कर रफा-दफा करने का प्रयास किया गया। पुलिस और प्रशासन के पक्षपातपूण रवैये के बाद अदालत के आदेश से मामला केंद्रीय जांच ब्यूरो को सौंपा गया। इसके बाद हर तरफ ममता सरकार के खिलाफ विरोध का स्वर बुलंद हुआ। भारी विरोध के बाद ममता को समझ में आ गया कि केंद्र की भाजपा गठबंधन सरकार की खिलाफत करने की तरह इस आंदोलन से नहीं निपटा जा सकता। पश्चिम बंगाल की कम्युनिस्ट सरकार के प्रति विरोध और प्रदर्शन से सत्ता हासिल करने वाली ममता बनर्जी ने इसे अपना हथियार बना लिया। केंद्र सरकार के खिलाफ शायद ही ऐसा कोई मौका हो, जब ममता सरकार ने विरोध नहीं किया हो। इसी प्रवृत्ति का परिणाम है कि महिला चिकित्सक की मौत से पनपे आंदोलन को दबाने-कुचलने की कोशिश की गई। राहुल गांधी की ही तरह ममता बनर्जी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हर मामले में विरोध करती रही हैं। भारत और बांग्लादेश के बीच गंगा और तीस्ता नदी के जल बंटवारे के मुद्दे पर ममता बनर्जी का आरोप है कि केंद्र की मोदी सरकार ने बांग्लादेश के साथ बातचीत में पश्चिम बंगाल सरकार को शामिल नहीं किया है। ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र भी लिखा।

तीन पेज के लेटर में ममता ममता बनर्जी ने कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार से पूछे बिना इस तरह की एकतरफा बातचीत हमें मंजूर नहीं है। इसी तरह राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना और प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत फंड जारी करने की मांग को लेकर राज्य विधानसभा परिसर में धरना दिया गया। टीएमसी ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार बंगाल के लोगों को योजनाओं से वंचित कर रही है। केंद्र की मोदी सरकार पर ममता बनर्जी ने निशाना साधते हुए कहा कि आप कहते हैं कि बंगाल को पैसा मत दीजिए, तो फिर हमसे पैसे भी मत लीजिए। उन्होंने कहा कि पिछले पांच साल में केंद्र ने जीएसटी के लिए बंगाल से 680000 करोड़ रुपए लिए हैं। गौरतलब है कि ममता बनर्जी ने आईपीएस राजीव कुमार के मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद कहा था कि इस देश में कोई बिग बॉस नहीं है। यहां केवल जनता ही बिग बॉस है। केवल लोकतंत्र ही इस देश का बड़ा मालिक है। यह मेरी जीत नहीं है। यह संविधान की जीत है। यह भारत की जीत है। इसके बावजूद सत्ता के नशे में ममता चिकित्सकों के आंदोलन के मामले में अपना यह बयान भूल गई। सीबीआई ने कोलकाता पुलिस के प्रमुख राजीव कुमार पर सारदा और रोज वैली पोंजी योजनाओं में संभावित अभियुक्त होने का आरोप लगाया था। सीएम ममता बनर्जी ने सीबीआई के विरोध में धरना दिया और वहीं पर कैबिनेट की बैठक की और वहां पुलिस वीरता पुरस्कार भी दिए। उन्होंने अपने धरने को सत्याग्रह बताया। उन्होंने कहा कि वह देश और संविधान को बचाने के लिए धरने पर बैठी। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में कहा था कि कमिश्नर राजीव कुमार की कोई गिरफ्तारी नहीं होगी और न ही उनके खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। अदालत का गुणगान करने वाली मुख्यमंत्री ममता बनर्जी प्रतिकूल फैसला आने पर अदालतों के विरोध में भी पीछे नहीं रही। ममता बनर्जी ने 2016 की शिक्षक भर्ती परीक्षा के माध्यम से की गई सभी नियुक्तियों को रद्द करने के कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश को अवैध माना।

उत्तर बंगाल के रायगंज में एक चुनावी रैली के दौरान ममता ने कहा था कि भारतीय जनता पार्टी के नेता न्यायपालिका और निर्णयों के एक हिस्से को प्रभावित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सभी भर्तियों को रद्द करने का न्यायालय का फैसला अवैध है। हम उन लोगों के साथ खड़े हैं जिन्होंने अपनी नौकरी खो दी है। हम सुनिश्चित करेंगे कि आपको न्याय मिले और इस आदेश को उच्च न्यायालय में चुनौती दी जाए। उन्होंने दावा किया, 'मैं किसी जज का नाम नहीं लूंगी, लेकिन मैं फैसले के बारे में बात कर रही हूं।' इसी तरह ओबीसी आरक्षण पर कलकत्ता हाई कोर्ट के फैसले के बाद ममता टिप्पणी करने से बाज नहीं आई। पश्चिम बंगाल में 37 वर्गों को दिए गए ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) आरक्षण कलकत्ता हाईकोर्ट ने रद्द कर दिया। इस पर सीएम ममता बनर्जी बगावत पर उतर आईं। सीएम बनर्जी अदालत के फैसले को मानने को ही तैयार नहीं हुई। उन्होंने कहा है कि ओबीसी दर्जा रद्द करने और ओबीसी सर्टिफिकेट रद्द करने का अदालत का फैसला उनको स्वीकार्य नहीं है। केंद्र सरकार और अदालतों के आदेशों के प्रति पूर्वाग्रह का नजरिया रखने वाली पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की विरोध की यह प्रवृत्ति चिकित्सकों के आंदोलन में काम नहीं आ सकी। मुख्यमंत्री ममता शायद भूल गई कि यह मुद्दा राजनीतिक नहीं, बल्कि प्रदेश के लोगों से जुड़ा हुआ है। इससे निपटने के तौर-तरीके अलग हैं। यदि लोगों की आवाज नहीं सुनी जाएगी तो जिस बूते केंद्र और अदालतों का विरोध किया जा रहा है, वह नींव खिसक जाएगी। अब ममता चिकित्सकों को मनाने के लिए विवश हैं।

योगेंद्र योगी

– :सौजन्य :–

ईवी ड्राइव द फ्यूचर

स्कोडा कर रही तीन इलेक्टिक व्हीकल्स लाने की तैयारी...

परिवहन विशेष न्यूज

यूरोप की वाहन निर्माता Skoda की ओर से भारत में लगातार अपने पोर्टफोलियो का विस्तार किया जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अगले कुछ महीनों के दौरान तीन नई EV लाने की तैयारी कर रही है। कंपनी इनमें किस तरह के फीचर्स दे सकती है। इनको कब तक भारत लाया जा सकता है। इनसे किस कंपनी की किस EV को चुनौती मिलेगी। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक Skoda की ओर से भारतीय बाजार में नई इलेक्ट्रिक वाहनों को लाने की तैयारी की जा रही है। जानकारी के मुताबिक कंपनी की ओर से किस सेगमेंट में किस तरह के फीचर्स के साथ किन EV को लाया जा सकता है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

आएंगी तीन EV

रिपोर्ट्स के मुताबिक Skoda की ओर से अपने पोर्टफोलियो में तीन नई इलेक्ट्रिक कारों को भारत में लाने की तैयारी की जा रही है। हालांकि अभी कंपनी की ओर से इस बारे में किसी भी तरह की आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। लेकिन उम्मीद की जा रही है कि अगले कुछ महीनों के दौरान पहली गाड़ी को पेश किया जा सकता है।

किस सेगमेंट में आएगी कौन सी EV

जानकारी के मुताबिक कंपनी की ओर से एंट्री लेवल एसयूवी सेगमेंट के साथ ही प्रीमियम एसयूवी सेगमेंट तक तीन इलेक्ट्रिक एसयूवी को लाया जा सकता है। इनमें Skoda Epiq, Skoda Elroq और Skoda Enyaq जैसी इलेक्ट्रिक कारें शामिल हैं।

कैसे होंगे फीचर्स

कंपनी की ओर से इन सभी इलेक्ट्रिक एसयूवी में बेहतरीन फीचर्स को दिया जाएगा। इनमें फ्रंट व्हील से लेकर रियर व्हील ड्राइव, हेड-अप डिस्प्ले, 13 इंच इंफोटेनमेंट सिस्टम, सामान रखने के लिए ज्यादा बूट स्पेस, एलईडी लाइट्स, डीआरएल, पैनोरमिक सनरूफ, ADAS जैसे बेहतरीन सुरक्षा फीचर्स इन इलेक्ट्रिक एसयूवी में मिलेंगे। बेहतरीन फीचर्स के साथ ही इनमें 300 से 500 किलोमीटर तक की रेंज भी मिल सकती है।

किनसे होगा मुकाबला

Skoda की ओर से Enyaq को प्रीमियम एसयूवी सेगमेंट में लाया जाएगा। इसका सीधा मुकाबला Hyundai Ioniq5, Volvo XC40 Recharge, Kia EV6 जैसी प्रीमियम इलेक्ट्रिक एसयूवी के साथ होगा। वहीं Skoda Epiq को एंट्री लेवल इलेक्ट्रिक एसयूवी सेगमेंट में लाया जाएगा। जिसमें Tata Nexon, Mahindra XUV 400, MG Windsor जैसी Electric Vehicles के साथ मुकाबला होगा।

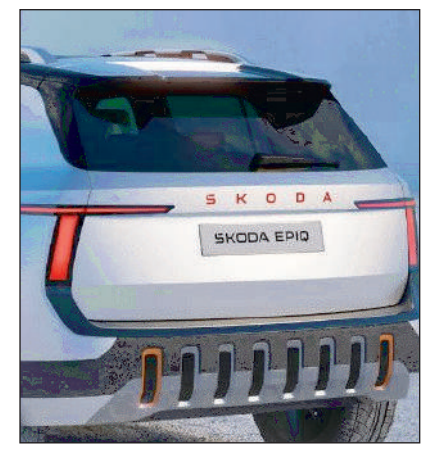

मारुति सुजुकी पहली इलेक्ट्रिक एसयूवी लॉन्च करने से पहले 25,000 ईवी चार्जिंग स्टेशन लगाने की बनाई योजना

परिवहन विशेष न्यूज

मारुति सुजुकी इंडिया अपनी पहली इलेक्ट्रिक एसयूवी कॉन्सेप्ट ईवीएक्स के लॉन्च से पहले 25,000 इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन लगाने की योजना बना रही है। इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार ऑटोमेकर 5,100 से अधिक सर्विस सेंटर के अपने नेटवर्क का लाभ उठाने की योजना बना रहा है। कंपनी एक मजबूत चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने के लिए तेल विपणन कंपनियों और ऊर्जा कंपनियों के साथ भी चर्चा कर रही है। रिपोर्ट के अनुसार इस तरह की प्रणाली की कमी देश में इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने में एक बड़ी बाधा है।

इकोनॉमिक टाइम्स ने सूत्रों के हवाले से बताया, "मारुति ने चार्जिंग प्वाइंट स्थापित करने के लिए अपने डीलर वर्कशॉप का सर्वेक्षण शुरू कर दिया है। योजना के अनुसार प्रत्येक सर्विस सेंटर में एक समर्पित चार्जिंग बे और दो चार्जिंग पॉइंट होंगे। कंपनी ने बेंगलुरू में सर्विस मैकेनिक्स को प्रशिक्षण देना भी शुरू कर दिया है।"

तेल विपणन कंपनियों के सूत्रों के अनुसार ऑटोमेकर ने उनसे अपने खुदरा स्थानों पर ईवी चार्जिंग और सर्विस स्टेशनों के लिए स्थान आरक्षित करने का अनुरोध किया है। मारुति सुजुकी के प्रबंध निदेशक हिसाशी टेकाउची ने पिछले सप्ताह कहा, "हम अपने ईवी ग्राहकों को ईवी के मालिक होने की उनकी चिंताओं को दूर करने के लिए विभिन्न समाधान प्रदान करेंगे।"

उन्होंने दिल्ली में सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के 64वें वार्षिक सम्मेलन के दौरान कहा, "हम ग्राहकों को बिक्री के बाद सहायता प्रदान करने के लिए अपने नेटवर्क की ताकत का उपयोग करेंगे।"

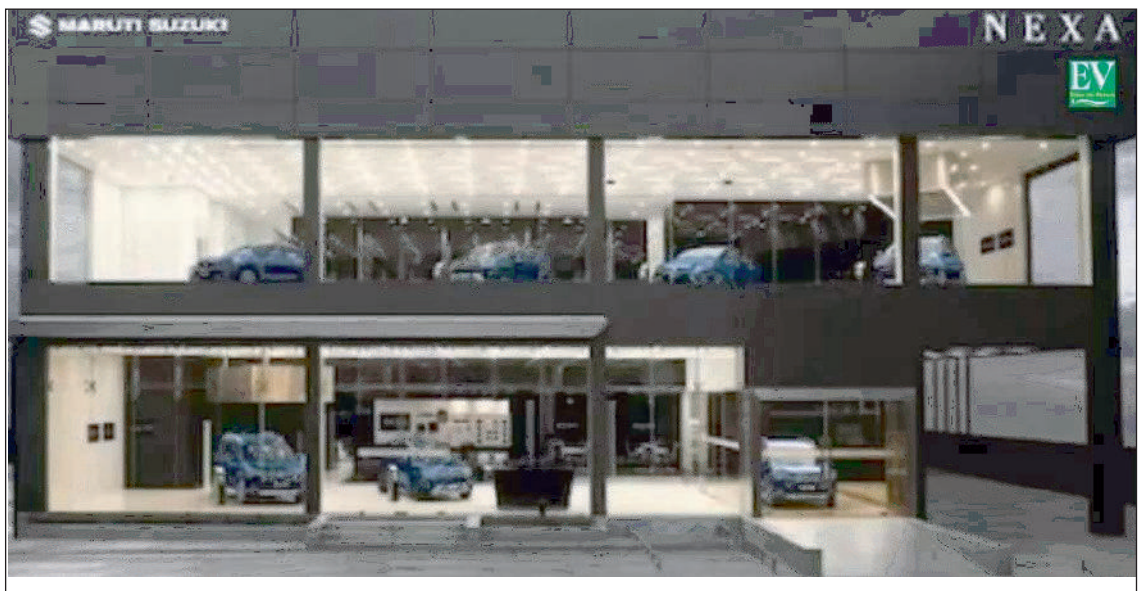

तेल विपणन कंपनियों के सूत्रों के अनुसार ऑटोमेकर ने उनसे अपने खुदरा स्थानों पर ईवी चार्जिंग और सर्विस स्टेशनों के लिए स्थान आरक्षित करने का अनुरोध किया है। मारुति सुजुकी के प्रबंध निदेशक हिसाशी टेकाउची ने पिछले सप्ताह कहा, "हम अपने ईवी ग्राहकों को ईवी के मालिक होने की उनकी चिंताओं को दूर करने के लिए विभिन्न समाधान प्रदान करेंगे।"

मारुति ने ईवीएक्स की कीमत 20-25 लाख रुपये के बीच रखने और लॉन्च के पहले तीन महीनों में 3,000 यूनिट बेचने की योजना बनाई है। इस इलेक्ट्रिक एसयूवी का निर्माण गुजरात प्लांट में की जाएगी और प्रीमियम नेक्सा आउटलेट्स के माध्यम से बेचा जाएगी।

ईवीएक्स मारुति द्वारा अगले 6-7 वर्षों में पेश किए जाने वाले छह इलेक्ट्रिक वाहनों में से पहली है।

आ रही हैं लंबी इलेक्ट्रिक रेंज वाली वोल्वो प्लग-इन हाइब्रिड कारें

परिवहन विशेष न्यूज

वोल्वो ने 2030 तक केवल इलेक्ट्रिक वाहन बेचने की अपनी योजना को त्याग दिया है, इसलिए अब वह प्लग-इन हाइब्रिड वाहनों को नए सिरे से बढ़ावा देने की योजना बना रही हैं।

प्रकाशित ऑटोमोटिव न्यूज के साथ एक साक्षात्कार में, वोल्वो के मुख्य उत्पाद और रणनीति अधिकारी एरिक सेवरिन्सन ने कहा कि नए प्लग-इन हाइब्रिड की इलेक्ट्रिक रेंज इस महीने की शुरुआत में अनावरण किए गए अपडेटेड 2025.5 XC90 T8 प्लग-इन हाइब्रिड के 32 मील की तुलना में एक ₹महत्वपूर्ण अपग्रेड₹ होगी।

उन्होंने कहा कि नए प्लग-इन हाइब्रिड में वोल्वो के मूल एसपीए प्लेटफॉर्म का उपयोग जारी रहेगा, जिसे लगभग एक दशक पहले वर्तमान एक्ससी90 में शामिल किया गया था, तथा अगली पीढ़ी के ईवी के लिए विकसित सघन बैटरियों और अधिक कुशल इलेक्ट्रिक मोटरों से लाभ मिलेगा।

सेवरिन्सन ने कहा, ₹SPA1 एक बहुत ही लचीली वास्तुकला है।₹ ₹हम SPA1 को और भी लंबी दूरी की PHEV में अपग्रेड कर सकते हैं।₹

सेवरिन्सन ने समय का उल्लेख नहीं किया, लेकिन एक आयोजित अमेरिकी और कनाडाई डीलरों के साथ बैठक में वोल्वो ने कहा कि उसने अगले 24 महीनों में 10 नए और अपडेट किए गए वाहन लॉन्च करने की योजना बनाई है, ऑटोमोटिव न्यूज़ ने उपस्थित कुछ डीलरों के हवाले से बताया। संभावना है कि इनमें से कुछ लंबी दूरी की प्लग-इन हाइब्रिड होंगी।

वोल्वो ने इस महीने कहा कि उसकी मौजूदा योजना के अनुसार 2030 तक 90-100% बिक्री ईवी और प्लग-इन हाइब्रिड के संयोजन से की जाएगी, जबकि शेष हिस्सा माइल्ड-हाइब्रिड से बना होगा। ऑटोमेकर ने कहा कि यह कदम ईवी की मांग में अनुमान से कहीं अधिक धीमी वृद्धि के जवाब में उठाया गया है। डीलर भी प्लग-इन हाइब्रिड की बिक्री जारी रखने की अपील कर रहे थे।

वोल्वो ने कहा कि उसका दीर्घकालिक लक्ष्य 100% ईवी ब्रांड बनना है। ऑटोमेकर के पास पाइपलाइन में कम से कम पाँच ईवी हैं, जिसमें ES90 नामक एक मध्यम आकार की सेडान और EX60 नामक एक कॉम्पैक्ट क्रॉसओवर शामिल है। ES90 में SPA2 EV प्लेटफ़ॉर्म का उपयोग किया जाएगा, जिसे 2025 EX90 में शुरू किया गया था और इस साल लॉन्च होने की उम्मीद है। EX60 में अधिक उन्नत SPA3 EV प्लेटफ़ॉर्म का उपयोग किया जाएगा और इसे 2026 में लॉन्च किए जाने की उम्मीद है।

रोहतक में इलेक्ट्रिक वाहनों के पुर्जे बनाने के लिए ईवी पार्क करेंगे विकसित

परिवहन विशेष न्यूज

हरियाणा के पूर्व मंत्री और रोहतक से भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी मनीष कुमार ग्रोवर ने प्रेस वार्ता में बताया कि इलेक्ट्रिक वाहनों के घटकों के निर्माण के लिए रोहतक में एक इलेक्ट्रिक वाहन पार्क विकसित किया जाएगा।

उन्होंने कहा, ₹ओबीसी, एससी और ईडब्ल्यूएस छात्रों के लिए मुफ्त कोचिंग और आवास के साथ एक सिविल सेवा कोचिंग सेंटर भी स्थापित किया जाएगा।₹ उन्होंने कहा कि शहर में एक कौशल विकास कॉलेज भी स्थापित किया जाएगा।

एमके स्टालिन तमिलनाडु के रानीपेट में 9000 करोड़ रुपये के टाटा-जेएलआर ईवी प्लांट की रखेंगे आधारशिला

परिवहन विशेष न्यूज

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन 28 सितंबर को रानीपेट जिले में 9,000 करोड़ रुपये की लागत वाले टाटा मोटर्स-जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) विनिर्माण संयंत्र की आधारशिला रखेंगे। यह विकास तमिलनाडु के औद्योगिक विकास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है और प्रस्तावित संयंत्र, टाटा मोटर्स और तमिलनाडु सरकार के बीच हस्ताक्षरित एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) का हिस्सा है, जिसकी पहले चरण में न्यूनतम क्षमता 200,000 इकाई होने की संभावना है। सूत्र बताते हैं कि यह सुविधा मुख्य रूप से जगुआर लैंड रोवर और टाटा मोटर्स दोनों के लिए इलेक्ट्रिफाइड मॉड्यूलर आर्किटेक्चर (ईएमए) प्लेटफॉर्म पर आधारित इलेक्ट्रिक वाहनों के उत्पादन पर ध्यान केंद्रित करेगी।

उद्योग के अंदरूनी सूत्रों के अनुसार उत्पादन क्षमता को वितरित करने की योजना है, जिसमें से लगभग दो-तिहाई जगुआर लैंड रोवर और एक-तिहाई टाटा मोटर्स को आवंटित किया जाएगा। जेएलआर उत्पादन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा विदेशी बाजारों के लिए निर्धारित किए जाने की संभावना है, जो संभावित रूप से आगामी भारत-यूके मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) का लाभ उठा सकता है जो वर्तमान में प्रगति पर है।

नई विनिर्माण सुविधा टाटा समूह की एक बड़ी प्रतिबद्धता का हिस्सा है, जिसने आने वाले दशक में जगुआर लैंड रोवर में 1.5 लाख करोड़ रुपये का निवेश करने का संकल्प लिया है। यह निवेश जगुआर को पूरी तरह से इलेक्ट्रिक ब्रांड में बदलने की समूह की रणनीति के अनुरूप है साथ ही यह सुनिश्चित करता है कि 2026 तक लैंड रोवर पोर्टफोलियो के अधिकांश हिस्से में इलेक्ट्रिक विकल्प होंगे।

उद्योग विशेषज्ञों का सुझाव है कि इस परियोजना में अगले दशक में टाटा मोटर्स और जगुआर लैंड रोवर के कम से कम चार मॉडल का उत्पादन शामिल हो सकता है। परियोजना की कुल मात्रा लगभग 300,000 इकाइयों तक पहुँचने का अनुमान है, जिसमें से एक महत्वपूर्ण हिस्सा निर्यात के लिए योजनाबद्ध है।

इससे संबंधित घटनाक्रम में, टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड और जगुआर लैंड रोवर ने पहले जेएलआर के ईएमए प्लेटफॉर्म के लाइसेंस के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे। इस समझौते में इलेक्ट्रिकल आर्किटेक्चर, इलेक्ट्रिक ड्राइव यूनिट, बैटरी पैक और विनिर्माण संबंधी जानकारी के प्रावधान शामिल हैं, जो टाटा के आगामी इलेक्ट्रिक वाहनों के विकास के लिए महत्वपूर्ण होंगे।

ईएमए प्लेटफॉर्म, जिसकी घोषणा सबसे पहले जेएलआर ने 2021 में की थी, को उन्नत ड्राइवर सहायता प्रणालियों और व्यापक क्लाउड कनेक्टिविटी को समायोजित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसमें सॉफ्टवेयर ओवर द एयर (एसओटीए) क्षमताएं, लेवल 2+ स्वायत्तता और सेल-टू-पैक बैटरी तकनीक के साथ एक अत्यधिक एकीकृत प्रणोदन प्रणाली जैसी विशेषताएं हैं।

हालांकि टाटा मोटर्स ने इन अटकलों पर आधिकारिक तौर पर कोई टिप्पणी नहीं की है, लेकिन तमिलनाडु में बनने वाला यह प्लांट भारत के इलेक्ट्रिक वाहन निर्माण परिदृश्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार है। इस परियोजना से क्षेत्र में 25,000 से 30,000 नए रोजगार सृजित होने की उम्मीद है, जिससे स्थानीय रोजगार में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

28 सितंबर को होने वाले शिलान्यास समारोह की तैयारियां जारी हैं, साइट पर बुनियादी ढांचे का काम पहले से ही चल रहा है। इस सक्रिय दृष्टिकोण का उद्देश्य इस परिवर्तनकारी औद्योगिक उद्यम के सुचारू और समय पर निष्पादन को सुनिश्चित करना है, जिससे भारत के तेजी से विकसित हो रहे ऑटोमोटिव क्षेत्र में तमिलनाडु की स्थिति एक प्रमुख विनिर्माण केंद्र के रूप में और मजबूत होगी।

केएसईबी ने अमेरिकी कंपनी से मिलाया हाथ

केएसईबी ने केरल राज्य में इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए अमेरिका स्थित रॉकी माउंटेन इंस्टीट्यूट (आरएमआई) की भारतीय शाखा के साथ हाथ मिलाया है। आरएमआई इंडिया ने इस संबंध में सहयोग में रुचि व्यक्त करते हुए केएसईबी से संपर्क किया। इसका उद्देश्य पूरे राज्य में ईवी चार्जिंग नेटवर्क बनाना है। मंजूरी पत्र मिलने पर आरएमआई प्रोजेक्ट की रूपरेखा तैयार करेगा। फिर केएसईबी में ईवी एक्सेलेरेटर सेल का गठन किया जाएगा और परियोजना के कार्यान्वयन के लिए तकनीकी सहायता प्रदान की जाएगी। आरएमआई ईवी इंफ्रास्ट्रक्चर के डेटा संग्रह, समीक्षा और लाभार्थी समन्वय के लिए ईवी इंफ्रास्ट्रक्चर डैशबोर्ड तैयार करने में भी मदद करेगा। वे मांग का अनुमान लगाने और पावर ग्रिड पर ईवी चार्जिंग के प्रभावों का आकलन करने के लिए आवश्यक अनुसंधान और समीक्षा सहायता भी प्रदान करेंगे।

ईवी चार्जिंग को आसान बनाने के लिए साझा मंच की ज़रुरत

परिवहन विशेष न्यूज

लक्जरी कार निर्माता मर्सिडीज-बेंज इंडिया ने इलेक्ट्रिक वाहन मालिकों के लिए इसे और अधिक सुविधाजनक बनाने के लिए विभिन्न सेवा प्रदाताओं द्वारा संचालित सभी उपलब्ध चार्जिंग स्टेशनों के बारे में वास्तविक समय की जानकारी प्रदान करने के लिए एक साझा मंच बनाने की वकालत की है।

मर्सिडीज-बेंज इंडिया के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी संतोष अय्यर ने बताया कि यह कॉमन ऐप ग्राहकों की सुविधा बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा तथा देश में इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने में सहायक होगा।

पीटीआई के साथ बातचीत में अय्यर ने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जिंग बुनियादी ढांचे को लोकतांत्रिक बनाने की जरूरत है।

अय्यर ने कहा, ₹आज, यदि आप इलेक्ट्रिक कार खरीदते हैं, तो आपको अपने फोन पर 3-4 अलग-अलग ऐप की आवश्यकता होती है। हम सरकार से अनुरोध कर रहे हैं कि वह यूपीआई आधारित प्रणाली जैसी कोई चीज लेकर आए।₹

उन्होंने कहा कि भारत डिजिटल प्रौद्योगिकी में अग्रणी है, लेकिन जब चार्जिंग की बात आती है तो अभी भी अनेक ऐप हैं।

अय्यर ने कहा, "वे (ऐप्स) एक-दूसरे से बात नहीं करते, भुगतान गेटवे समन्वयित नहीं हैं, अगर इसे सुलझा लिया जाए तो इलेक्ट्रिक वाहनों की सुविधा अगले स्तर पर पहुंच जाएगी।"

एक उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि जर्मनी और दुनिया के कई हिस्सों में मर्सिडीज के ग्राहक एक ऐप से चार्जिंग सहित विभिन्न सेवाओं के लिए भुगतान करने में सक्षम हैं।

अय्यर ने कहा, ₹लेकिन भारत में हम इसे पूरी तरह से क्रियान्वित नहीं कर पा रहे हैं, क्योंकि हमारे पास एक भी चार्ज प्वाइंट ऑपरेटर नहीं है जो इसे एकीकृत कर सके। इसलिए हम लगातार यही अनुरोध करते रहते हैं कि सुविधा को ईवी स्वामित्व का मूल बनाया जाए।"

उन्होंने कहा कि यदि प्रणाली को सुविधाजनक बनाया गया तो ग्राहक ई-वाहनों की ओर रुख करेंगे, लेकिन यदि यह कठिन बना रहा तो वे इस क्षेत्र से बाहर रहना चाहेंगे।

उन्होंने कहा कि सरकार को एक मंच तैयार करना होगा और फिर सभी एग्रीगेटर्स को वहां मौजूद होना होगा।

अय्यर ने कहा, "भुगतान और चार्जिंग के लिए कम से कम एक प्लेटफॉर्म होना चाहिए।" पिछले साल, ऐसी खबरें आई थीं कि केंद्र सरकार एक मास्टर ऐप तैयार कर रही है, जिससे ग्राहकों को मानचित्र पर निकटतम चार्जिंग स्टेशन खोजने में मदद मिलेगी।

हाल ही में लॉन्च की गई पीएम ई-ड्राइव योजना का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि सरकार ईवी सेगमेंट को बहुत मजबूती से समर्थन दे रही है। अय्यर ने कहा कि पिछले साल ईवी की बिक्री कंपनी की कुल बिक्री का लगभग 2.5 प्रतिशत थी।

उन्होंने कहा कि इस वर्ष कुल बिक्री में इलेक्ट्रिक वाहनों का योगदान बढ़कर पांच प्रतिशत हो गया है।

अय्यर ने कहा, "यह आशा की किरण है जिसे आप लगातार देख रहे हैं, स्वीकृति बढ़ रही है, अब हमारे पास छह कार लाइनें हैं। यह एक प्रतिस्पर्धी बाजार भी है, क्योंकि ऐसे ग्राहकों का एक बहुत छोटा समूह है जो ईवी की ओर स्थानांतरित हो रहा है।" मर्सिडीज-बेंज इंडिया छह बैटरी इलेक्ट्रिक वाहन बेचती है। इसने अपने पुणे स्थित विनिर्माण संयंत्र से दो मॉडल - EQS SUV 580 4MATIC और EQS सेडान का उत्पादन शुरू किया है।

2024 में वैश्विक कार्यबल में आगे बढ़ने के लिए भारतीय छात्रों के लिए आवश्यक

विजय गर्ग

प्रासंगिक बने रहने के लिए, आपको अनुकूलनशील होने और आजीवन सीखने के लिए प्रतिबद्ध रहने की आवश्यकता है। आगे बढ़ने, अपने कौशल को उन्नत करने और नए अवसरों को अपनाने के लिए तैयार रहें। 2. डेटा साक्षरता और विश्लेषणात्मक कौशल हम डेटा-संचालित दुनिया में रहते हैं, और डेटा नया सोना है।

कौशल एक छात्र की संपत्ति हैं और उनकी पेशेवर क्षमताओं और क्षमता को प्रतिबिंबित करते हैं। नौकरी बाज़ार की निरंतर विकसित होती प्रकृति के कारण आवश्यक कौशलों की सूची बदलती रहती है। विश्व आर्थिक मंच द्वारा जारी 2020 की रिपोर्ट के अनुसार, 2025 में नौकरी बाजार पर हावी होने वाले शीर्ष कौशल हैं: विश्लेषणात्मक सोच और नवाचार सक्रिय शिक्षण और सीखने की रणनीतियाँ जटिल समस्या समाधान आलोचनात्मक सोच और विश्लेषण रचनात्मकता, मौलिकता और पहल नेतृत्व और सामाजिक प्रभाव प्रौद्योगिकी का उपयोग, निगरानी और नियंत्रण लचीलापन, तनाव सहनशीलता और लचीलापन तर्क, समस्या-समाधान, और विचार-विमर्श एआई के युग में सॉफ्ट स्किल सीखने पर विशेष जोर। पेशेवरों के लिए प्रसिद्ध सोशल नेटवर्किंग साइट द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार, 2024 में नियोक्ताओं द्वारा 10 सबसे अधिक मांग वाले कौशल हैं: संचार कौशल ग्राहक सेवा कौशल नेतृत्व कौशल परियोजना प्रबंधन कौशल प्रबंध एनालिटिक्स टीम वर्क बिक्री समस्या समाधान करने की कुशलताएं अनुसंधान अनुकूलन क्षमता एआई, क्लाउड कंप्यूटिंग और साइबर सुरक्षा की तीव्र प्रगति, उद्योग की बदलती मांगों के साथ मिलकर, दक्षताओं के एक नए सेट को उजागर करती है जो कैरियर की सफलता के लिए महत्वपूर्ण हैं। वैश्विक कार्यबल में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण कौशलों की सूची पर एक नज़र डालें। एआई कौशल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस स्वास्थ्य सेवा से लेकर वित्त, विनिर्माण से लेकर शिक्षा तक, कार्यबल के हर क्षेत्र में प्रवेश कर चुका है। इसने व्यवसाय संचालन को मौलिक रूप से बदल दिया है। चाहे नियमित कार्यों को स्वचालित करने, डेटा विश्लेषण को बढ़ाने या नवाचार को बढ़ावा देने के माध्यम से, एआई बोर्ड भर में भूमिकाओं और अपेक्षाओं को नया आकार दे रहा है। छात्रों के लिए एआई सीखना कोई विकल्प नहीं है, बल्कि वैश्विक कार्यबल में आगे बढ़ने के लिए यह एक आवश्यकता है। प्रोग्रामिंग मशीन लर्निंग एल्गोरिदम से लेकर एआई नैतिकता को समझने तक, इन कौशल से लैस छात्रों को अपने भर्तीकर्ताओं से ब्राउनी पॉइंट अर्जित करने के लिए माना जाता है। डिजिटल कौशल जैसे-जैसे प्रौद्योगिकी आगे बढ़ रही है, डिजिटलीकरण सभी क्षेत्रों और क्षेत्रों में विकास और प्रौद्योगिकी एकीकरण के पीछे प्रेरक शक्ति बन रहा है। यह तीव्र प्रवृत्ति व्यवसायों के लिए एक प्रमुख व्यवधान है, जो उन्हें ग्राहकों, प्रतिस्पर्धियों और बाजार हितधारकों से डिजिटल समाधानों की बढ़ती मांग के अनुकूल होने के लिए मजबूर कर रही है। निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में डिजिटल कौशल केंद्र में आ रहे हैं। स्थिरता कौशल पर्यावरण की सुरक्षा अब प्रमुख व्यवसायों का केंद्र बिंदु रहा है। व्यवसाय के मालिक पर्यावरणीय स्थिरता लक्ष्यों के अनुरूप व्यवसाय संचालन को आगे बढ़ाने की उम्मीद कर रहे हैं। हरित कौशल और पर्यावरणीय स्थिरता की गहन समझ रखने वाले उम्मीदवारों को आने वाले वर्षों में अत्यधिक प्राथमिकता दी जाएगी। संचार कौशल जैसा कि रिपोर्ट में बताया गया है, संचार कौशल ने हर पेशे में आगे की सीट ले ली है। अपनी भावनाओं और विचारों को स्पष्ट और सुसंगत तरीके से व्यक्त करने की क्षमता होना, कम से कम कहने के लिए आवश्यक है, खासकर उन छात्रों के लिए जो विदेश में पढ़ाई करने या नौकरी के विकल्प अपनाने के इच्छुक हैं। उनके लिए, मूल भाषा में दक्षता विकसित करना पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि उन्हें निर्देशों को समझने और उचित प्रतिक्रिया देने में सक्षम होने की आवश्यकता है। अनुकूलनशीलता कौशल 2024 के लिए 'पल के कौशल' के रूप में मान्यता प्राप्त, छात्रों के लिए अनुकूलनशीलता तेजी से महत्वपूर्ण है। लगातार छँटनी और तेज़ तकनीकी के मौजूदा माहौल मेंप्रगति, बदलते कार्य वातावरण के साथ तालमेल बिठाने में सक्षम होना किसी के करियर में उत्कृष्टता प्राप्त करने की कुंजी है। विदेश में अध्ययन करने के इच्छुक भारतीय छात्रों के लिए, एक सफल परिवर्तन के लिए नई संस्कृतियों, भाषाओं और शैक्षणिक प्रणालियों को अपनाना आवश्यक है। परियोजना प्रबंधन चाहे आप किसी टीम का प्रबंधन कर रहे हों या मशीनों का, उच्च स्तर का प्रोजेक्ट प्रबंधन होना आवश्यक है। जबकि व्यावसायिक एआई उपकरण अभी तक रणनीतिक लक्ष्य निर्धारित करने और संसाधनों को प्राथमिकता देने जैसे उच्च-स्तरीय प्रबंधन कार्यों में सक्षम नहीं हैं, इन भूमिकाओं में पेशेवरों के पास प्रोटोटाइप, अनुसंधान, शेड्यूलिंग, परीक्षण और अनुपालन सुनिश्चित करने जैसे कार्यों के लिए एआई का लाभ उठाने के अद्वितीय अवसर हैं। नौकरी चाहने वालों को या तो प्रमाणपत्र अर्जित करके या परियोजना प्रबंधन कौशल को सुधारने के लिए व्यक्तिगत परियोजनाओं को आगे बढ़ाकर परियोजना प्रबंधन कौशल का विकास करना चाहिए। डेटा कौशल चूंकि एआई क्रांति डेटा पर निर्भर करती है, इसलिए इस डेटा को कार्रवाई योग्य मूल्य में बदलने की क्षमता व्यावसायिक सफलता के लिए महत्वपूर्ण होती जा रही है। एआई को नैतिक और विश्वसनीय बनाने के लिए, विशेष रूप से स्वास्थ्य देखभाल और वैज्ञानिक अनुसंधान जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में, इसे पारदर्शी और समझने योग्य दोनों होना चाहिए। डेटा विज्ञान में निपुणता यह सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है कि एआई सिस्टम समझने योग्य डेटा के आधार पर भरोसेमंद निर्णय लें। क्लाउड कंप्यूटिंग कौशल अनुमान बताते हैं कि वैश्विक क्लाउड कंप्यूटिंग बाजार 2022 में $570 बिलियन से बढ़कर 2030 तक लगभग $2.5 ट्रिलियन तक बढ़ने का अनुमान है। यह वृद्धि क्लाउड माइग्रेशन और प्रौद्योगिकी में विशेषज्ञता वाले पेशेवरों की मांग को बढ़ाएगी। क्लाउड कंप्यूटिंग टूल और प्लेटफ़ॉर्म में कुशल लोगों की 2024 और उसके बाद भी उच्च मांग बनी रहेगी। मशीन लर्निंग इंजीनियरिंग एआई के बढ़ने से मशीन लर्निंग में कुशल पेशेवरों की आवश्यकता बढ़ रही है। वर्ल्ड इकोनॉमिक 2023 रिपोर्ट के अनुसार, एआई और मशीन लर्निंग विशेषज्ञ सबसे तेजी से बढ़ती नौकरी भूमिकाओं में से हैं। जेनरेटिव एआई और स्व-प्रतिकृति एआई प्रौद्योगिकियों में प्रगति के बावजूद, कुशल मानव एमएल इंजीनियर 2024 में आवश्यक बने रहेंगे। साइबर सुरक्षा कौशल डेटा उल्लंघनों, साइबर हमलों और हैकिंग प्रयासों में वृद्धि के साथ, मजबूत साइबर सुरक्षा उपायों की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। साइबर खतरों की बढ़ती जटिलता और अपर्याप्त डेटा सुरक्षा के गंभीर परिणाम साइबर सुरक्षा विशेषज्ञता की मांग को उजागर करते हैं। 2024 में, सुरक्षा और लचीलेपन के निर्माण से संबंधित कौशल सबसे अधिक मांग वाले होंगे।

सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य शैक्षिक स्तंभकार गली कोर चंद वाली मंडी हरजी राम वाली मलोट पंजाब

संपादक की कलम से

जल-संधि की समीक्षा

पाकिस्तान को 'सिंधु की देन' इसलिए कहा जाता है कि यदि सिंधु नदी पाकिस्तान से गायब हो जाए, तो वह पूरा देश पत्थरों और रेगिस्तान का ढेर हो जाएगा। पाकिस्तान की इस नियति की डोर भारत के हाथ में है। दोनों देशों के बीच 'सिंधु जल संधि' 1960 में हुई थी, जिसकी मध्यस्थता विश्व बैंक के तत्कालीन अध्यक्ष ने की थी। भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू और पाकिस्तान के तानाशाह राष्ट्रपति अयूब खान ने संधि के दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए थे। समझौते के अनुसार झेलम, चिनाब, सिंधु नदियों का पानी पाकिस्तान में बहने दिया जाएगा। वह उस पानी का साधिकार उपयोग भी कर सकेगा। सतलुज, ब्यास, रावी नदियों पर भारत का अधिकार होगा। भारत सिंधु नदी के 20 फीसदी पानी का ही उपयोग कर सकता है, जबकि 80 फीसदी पानी पर अधिकार पाकिस्तान का होगा। बीते 6 दशकों से अधिक समय से यह संधि निरंतर लागू है, जबकि इस दौरान कई युद्ध भी हुए हैं। अब भारत सरकार ने पाकिस्तान की हुकूमत को नोटिस भेजा है कि 'सिंधु जल संधि' की सम्यक समीक्षा और परिवर्तन की जरूरत है। यह कड़ा संदेश बीते साल इस्लामाबाद को भेजे गए नोटिस का फॉलोअप है। सिर्फ इसी से पाकिस्तान कराहने और चिलचिलाने लगा है और अंतरराष्ट्रीय मंच पर मुद्दा उठाने की चेतावनी देने लगा है। फिलहाल भारत पाकिस्तान से पानी छीनने की मुद्रा में नहीं है, लेकिन संधि का उल्लंघन करते हुए पाकिस्तान 70 फीसदी तक पानी का इस्तेमाल कर रहा है और भारत 30 फीसदी पानी का उपयोग भी नहीं कर रहा है। दरअसल पाकिस्तान भारत की पनबिजली परियोजनाओं के निर्माण में रोड़े अटकाता रहा है। मामला अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता अदालत तक भी गया है। झेलम नदी पर किशनगंगा पनबिजली प्रोजेक्ट की अनुमति अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता अदालत ने ही भारत को दी थी और चिनाब नदी पर भी पनबिजली का एक प्रोजेक्ट निर्माणाधीन है, लेकिन पाकिस्तान विरोध करता रहा है। जल-संधि के विवादों के निपटान के लिए विश्व बैंक द्वारा नियुक्त तटस्थ विशेषज्ञ की मध्यस्थता तक की नौबत आ सकती है।

हालात ऐसे हैं कि यदि भारत कुछ समय के लिए झेलम, चिनाब नदियों के जल-प्रवाह को रोक दे, तो पाकिस्तान त्राहि-त्राहि करने लगेगा। प्यासा मरने और कृषि-संकट के हालात पैदा हो जाएंगे। जब पाकपरस्त आतंकियों ने उरी में आतंकी हमला किया था, तो भारत के प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि खून और पानी साथ-साथ नहीं बह सकते। यह स्थिति आज भी है, क्योंकि भारत तब तक पाकिस्तान के साथ बातचीत करने को तैयार नहीं है, जब तक सीमापार आतंकवाद को रोका नहीं जाता। संवाद और आतंकवाद भी साथ-साथ नहीं चल सकते। ऐसे गतिरोध के मद्देनजर संधि की समीक्षा कैसे संभव है? क्या उसके लिए दोनों का साथ-साथ बैठना अनिवार्य नहीं है? भारत की पर्यावरणीय और आर्थिक चिंताएं और सरोकार भी अंतरराष्ट्रीय हैं। भारत जलवायु-परिवर्तन के वैश्विक समझौतों से भी बंधा है। बीते साल जुलाई में अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता अदालत ने हस्तक्षेप किया और कहा कि वह किशनगंगा और रतले पनबिजली परियोजनाओं पर निर्णय लेने में सक्षम है। भारत असहमत रहा, क्योंकि वह अंतरराष्ट्रीय अदालत के बजाय तटस्थ विशेषज्ञ की मध्यस्थता के पक्ष में था। भारत नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में भी अपनी भूमिका निभाना चाहता है। 850 मेगावाट की रतले पनबिजली परियोजना उसकी इसी भूमिका का हिस्सा है। रतले से जो रोजगार सृजन होगा, उसे भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, लिहाजा पाकिस्तान को जो नोटिस भेजा गया है, वह स्वच्छ एवं पर्यावरणीय ऊर्जा को विकसित करने के संदर्भ में भी है, ताकि उत्सर्जन के लक्ष्य हासिल किए जा सकें। सिंधु जल संधि का अगला कदम ऊर्जा को साझा करने का समझौता हो सकता है, लेकिन दोनों देशों में लगभग दुश्मनी ठनी है, तो ऐसे समझौते और संधियां कैसे संभव हैं? सबसे पहले यह प्रयास किया जाना चाहिए कि सिंधु जल संधि बरकरार रहे, ईमानदारी से उसे लागू करते रहें। युद्ध और आतंकवाद के बावजूद यह संधि बरकरार रही है, लिहाजा अब मौजूदा वैश्विक हालात के बावजूद अगले कदम पर विचार किया जा सकता है। यदि संधि की समीक्षा इतनी अनिवार्य है, तो उसके लिए बातचीत की मेज तक क्यों नहीं आ सकते? नई जल-संधि में देश के हितों को संरक्षण मिलना चाहिए।

राय

मित्रता की परिधि : विजय गर्ग

मित्रता एक ऐसा विषय है, जो इस समाज के लिए सबसे ज्यादा विचार का मामला रहा है और यह ऐसा विषय भी रहा है, जिस पर सबसे ज्यादा लिखा गया है। फिर भी समय के साथ इसके अलग- अलग रूप का सामना करते हुए इस पर विचार करने, सोचने का आग्रह कई बार हावी हो जाता है। दरअसल, मित्रता मानव जीवन की सबसे महत्वपूर्ण और मूल्यवान धरोहरों में से एक है। यह केवल सामाजिक संबंधों का प्रतीक नहीं है, बल्कि यह मानसिक संतुलन, भावनात्मक स्थिरता और आत्मीयता के अद्वितीय अनुभवों का स्रोत भी है। मित्रता विश्वास, समर्पण और निश्छल प्रेम की डोर से बंधी होती है, जो जीवन को एक नया अर्थ और उद्देश्य दे जाती है। इसके अभाव में मनुष्य मानसिक और भावनात्मक रूप से अस्थिर हो सकता है, क्योंकि यह जीवन के उन पहलुओं को उजागर करती है, जिन्हें अन्य किसी भी संबंध में पूरी तरह से व्यक्त नहीं किया जा सकता।

इस संदर्भ में यह टिप्पणी अहम है कि मित्रता की परीक्षा विपत्ति में दी गई मदद से होती है और वह मदद निस्वार्थ होनी चाहिए। यह कथन मित्रता के वास्तविक स्वरूप को उजागर करता है। विपत्ति के क्षणों में, जब जीवन अंधकारमय और निराशाजनक प्रतीत होता है, एक सच्चा मित्र आशा की किरण बनकर सामने आता है। वह तन, मन और धन से अपने मित्र की सहायता करता है और उसे विपत्ति के गहरे गर्त से बाहर निकालता है। ऐसी स्थिति में मित्रता का वास्तविक मूल्य और उसकी गहनता स्पष्ट रूप से सामने आती है।

हालांकि, मित्रता को निभाना जितना कठिन है, उतना ही यह भी सत्य है कि वर्तमान समय में मित्रता का अर्थ और उद्देश्य बदलता जा रहा है। दरअसल, आजकल कई मामलों में यह देखा जा सकता है कि मित्रता का उपयोग केवल स्वार्थ साधने के लिए किया जाता है। लोग केवल अपने हितों को साधने का प्रयास करते हैं और समय पड़ने पर साथ छोड़ देते हैं। ऐसे में मित्रता की वास्तविकता पर प्रश्नचिह्न खड़ा हो जाता है। अरस्तू ने सही ही कहा है कि 'मित्रों के बिना कोई भी जीना पसंद नहीं करेगा, चाहे उसके पास बाकी सब अच्छी चीजें क्यों न हों।' सच यह है कि मित्र जीवन का एक अनिवार्य हिस्सा है, जो इसकी समृद्धि और संपन्नता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

हम सभी अपने जीवन में एक ऐसे सच्चे और अच्छे मित्र की तलाश में रहते हैं, जो हमारे जीवन के कठिन समय में हमारा साथ दे, हमारी बातों को समझे और हमारे सुख-दुख में समान रूप से भागीदार बने। यह वह संजीवनी है, जो हमें सभी रिश्तों और संकोच से ऊपर उठाकर अपने मित्र के साथ अपने विचारों और भावनाओं को साझा करने की स्वतंत्रता देती है। वह, जो हमें सही दिशा दिखाए, न कि हर परिस्थिति में हमारा साथ देने के नाम पर हमारी गलतियों को अनदेखा करे। मित्रता का असली मापदंड यही है कि हमारा मित्र हमें अच्छे कार्यों के लिए प्रोत्साहित करे और गलतियों पर हमें सही दिशा दिखाए।

संगति का प्रभाव व्यक्ति के गुणों और उसके चरित्र पर गहरा प्रभाव डालता। अच्छी संगति से व्यक्ति के गुणों में निखार आता है, जबकि बुरी संगति से वे गुण नष्ट हो जाते हैं। इसलिए, जीवन में सुख और समृद्धि प्राप्त करने के लिए किसी को भी अच्छी संगति का चयन करना चाहिए। यह जगजाहिर तथ्य कि मित्रता का व्यक्तित्व पर गहरा प्रभाव पड़ता यह न केवल हमारे चरित्र को निखारती है, बल्कि हमारे जीवन के निर्णयों और सोचने के तरीके को भी प्रभावित करती है। जैसे सुगंधित वस्त्रों से सज्जित शरीर, वैसे ही उत्तम मित्रता से सजा हुआ मनुष्य का व्यक्तित्व। इसके विपरीत, बुरी संगति मनुष्य को पतन की ओर धकेल सकती है। इसीलिए यह जरूरी है कि हम अपने मित्रों का चयन अत्यंत सावधानी और विवेकपूर्वक करें, ताकि उनकी संगति से हमारे व्यक्तित्व को निखार मिले और हमारे जीवन में सकारात्मक बदलाव आए।

मित्रता का मूल्यांकन केवल इसके स्थायित्व और समर्थन में नहीं' है, बल्कि इसमें भी है कि यह हमें जीवन के विभिन्न पहलुओं को समझने और उन्हें सही तरीके से अपनाने में मदद करती है। मित्रता का असली स्वरूप तब प्रकट होता है, जब हम अपने मित्रों के साथ मिलकर जीवन की चुनौतियों का सामना करते हैं, उनसे सीखते हैं और एक दूसरे के जीवन को समृद्ध करते हैं। यह प्रक्रिया हमें न केवल व्यक्तिगत रूप से विकसित करती है, बल्कि हमें सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से भी समृद्ध बनाती है। सच यह है कि मित्रता का मूल्यांकन उसके प्रभाव, योगदान और समर्थन के आधार पर किया जाना चाहिए। यह जीवन के उन पहलुओं को उजागर करती है, जिन्हें अन्य किसी भी संबंध में पूरी तरह से व्यक्त नहीं किया जा सकता। इसका सही अर्थ तभी समझा जा सकता है जब हम इसे अपने जीवन में पूर्ण रूप से अपनाते हैं और इसे अपनी सोच, विचारधारा और कार्यों में अभिव्यक्त करते हैं।

मुश्किल यह है कि आज तेज रफ्तार से भागती-दौड़ती जिंदगी में मित्रता को भी सतही अर्थों में लिया जाने लगा है। ऐसे उदाहरण हमारे आसपास बिखरे पड़े होंगे, जिनमें कोई व्यक्ति मित्रता के नाम पर महज काम का संबंध निभाता है और मित्र की जरूरत के वक्त किसी भी तरह की जिम्मेदारी निभाने से मुकर जाता है। भावनाओं से रिक्त संबंधों को जान-पहचान के तौर पर भले देखा जाए, उसे मित्रता नहीं कहा जा सकता।

अतार्किक उपभोग और कचरे का बोझ

विजय गर्ग

मौजूदा दौर उपभोक्तावाद का है, जिसमें लोग बेतहाशा और बेतरतीब तरीके से दैनिक उपयोग का सामान इस्तेमाल कर रहे हैं। उसमें से अधिकांश को बहुत कम समय उपयोग करने के बाद सीधे कूड़ेदान में फेंक दिया जाता है। उपभोग की प्रवृत्ति के पीछे मानसिकता यह है कि हम जितना ज्यादा उपभोग करेंगे या जो हमारे अधिकार में होगा, हम उतना ही सुखी रहेंगे। आधुनिकता के दौर में अधिक से अधिक उपभोग सुख, समृद्धि और अच्छे जीवन स्तर का द्योतक है। भारत में उपभोग की प्रवृत्ति में क्रांतिकारी बदलाव नब्बे के दशक में आए आर्थिक उदारवाद के बाद हुआ, जिसका असर न सिर्फ बाजार पर पड़ा, बल्कि शहरीकरण के माध्यम से मध्यवर्ग के आर्थिक और सामाजिक ढांचे और प्रवृत्ति पर भी पड़ा। पिछले तीन दशक में बाजार ने उत्पादन और उपभोग को धीरे-धीरे अपने नियंत्रण में ले लिया, जिसका नतीजा हुआ कि हमारी जरूरतें बाजार निर्धारित करने लगा है। इस प्रकार हम सब वस्तु के उपभोग की इकाई बनते चले गए, जिसका सबसे ज्यादा फायदा बाजार को हुआ। तेजी से बढ़ते सकल घरेलू उत्पाद के रूपों में आर्थिक प्रगति के नए प्रतिमान बने।

इसमें कोई शक नहीं कि आर्थिक उदारवाद ने कई जटिल, जड़ आर्थिक और सामाजिक समस्याओं का समाधान प्रस्तुत किया, जिसमें गरीबी, संसाधनों का असमान वितरण, सर्वसुलभ शिक्षा, मंथर गति का आर्थिक विकास आदि प्रमुख हैं। साथ ही, गुजरते समय के साथ यह कई बड़ी समस्याएं भी लेकर आया। इन्हीं नकारात्मक प्रभावों में उपभोक्तावाद प्रमुख है। हर आदमी अब मात्र उपभोग करने की एक इकाई बनकर रह गया है। 'इस्तेमाल करो और फेंको' की संस्कृति इसी उपभोक्तावाद की उपज है, जिसका व्यापक प्रभाव प्रकृति के अंधाधुंध दोहन और व्यापक प्रदूषण के रूप में आज हमारे सामने है। इस प्रवृत्ति को लिखने की आदत में आए बदलाव से बखूबी समझा जा सकता है। आर्थिक उदारवाद के पहले लिखने के लिए निब वाला कलम होता था, जिसमें बार-बार स्याही भरी जाती थी और उसे वर्षों इस्तेमाल किया जाता था। तभी बाल पेन ने दस्तक दी, जिसमें सूखी स्याही वाले रिफिल का चलन था। इस्तेमाल के बाद रिफिल फेंक कर नया रिफिल डाला जाता था। कुछ दिनों बाद 'लिखो फेंको' वाला कलम आ गया।

आज स्थिति यह है कि, एक आंकड़े के मुताबिक, मात्र दस फीसद लोग रिफिल खरीदते हैं। सब कलम खरीदते हैं, क्योंकि रिफिल और नए कलम का दाम लगभग बराबर हो चुका है। उसे इस्तेमाल करने के बाद फेंक देते हैं। एक अध्ययन के मुताबिक केवल अमेरिकी लोग साल भर में 1.6 अरब कलम इस्तेमाल करके फेंक देते हैं। वैश्विक स्तर पर यह आंकड़ा दो अरब से अधिक है। नतीजतन, लाखों टन प्लास्टिक मिट्टी, नदी और समुद्र में जा मिलता है। जब बाजार और उपभोक्तावाद ने कुछ ही दशक में लिखने जैसी आदत को इस कदर प्रभावित किया है, तो इसके प्रभाव को बाकी दिनचर्या की वस्तुओं पर अंदाजा लगाना भी भयावह है। फैशन, प्रकृति के दोहन का नया उपादान बन कर सामने आया है। वैश्विक स्तर पर हर वर्ष सौ अरब वस्त्र बनाए और इस्तेमाल किए जा रहे हैं। यानी प्रति व्यक्ति बारह अलग-अलग कपड़े। यह तब है जब अधिकांश जनसंख्या बड़ी मुश्किल से अपना जीवन यापन कर पा रही है। सौ अरब कपड़े यानी वजन के हिसाब से लगभग नौ करोड़ टन कपड़ा सालाना कूड़ेदान में फेंक दिया जा रहा है। कपड़ा बनाने में ढेर सारे पानी और उर्जा की खपत होती है, इस लिहाज से वैश्विक ताप का लगभग दस फीसद भार हमारे अलग-अलग 'मैचिंग' कपड़े पहनने और और दिखाने की प्रवृत्ति से पड़ता है। अगर फैशन की यही प्रवृत्ति जारी रही, तो 2030 के अंत तक कूड़े के ढलाव तेरह करोड़ टन इस्तेमाल किए गए कपड़ों से भर रहे होंगे।

हम प्रकृति का वैसे ही अंधाधुंध दोहन कर रहे हैं, जैसे टिड्डी दल फसलों को सफाचट कर जाता है। रोजमर्रा के इस्तेमाल के सामान की मरम्मत की संस्कृति पूर्व आर्थिक उदारवाद के दौर की पहचान रही है, जो किसी भी सामान का अधिकतम और किफायती उपयोग सुनिश्चित करती थी। चप्पल-जूतों से लेकर, कपड़ों, बर्तन, रेडियो, टीवी, घड़ी, छाता, कृषि के सामान, यहां तक कि निब वाले पेन की मरम्मत करने वाले अर्थव्यवस्था में हिस्सेदार हुआ करते थे। 'इस्तेमाल करो और फेंको' संस्कृति औद्योगिक क्रांति के आर्थिक संदर्भ की उपज है, जहां मूल उद्देश्य उत्पादन और उपभोक्ता के माध्यम से आर्थिक मुनाफे में उत्तरोतर बढ़ोतरी करना है। अगर उत्पाद टिकाऊ और मरम्मत के लायक होगा तो बहुत लंबे समय तक उपयोगी बना रहेगा और ऐसी वस्तुएं बाजार और मुनाफे के आड़े आएंगी, क्योंकि ऐसी वस्तुएं उपभोक्ता को लंबे समय तक के लिए बाजार से दूर कर देंगी। इसलिए कंपनियों ने न सिर्फ उत्पाद में तकनीकी परिवर्तन कर मरम्मत की संभावना को कम किया, बल्कि उसके इस्तेमाल की समय सीमा को कम कर दिया। अब हर महीने उत्पाद के माडल बदलने लगे, नई तकनीक का हवाला देकर विज्ञापन के माध्यम से उसे पहले माडल से बेहतर बताया जाने लगा। यहां तक निर्माता उत्पाद के उपयोग करने की समय सीमा भी निर्धारित करने लगे, ताकि निर्धारित समय के बाद उसे आवश्यक रूप से बदलना ही पड़े। इस तरह उपभोक्ता को बार-बार बाजार का रुख करना पड़ता है।

निर्माताओं ने भरसक प्रयास किया कि मरम्मत की संभावना खत्म हो जाए, पर जिस उत्पाद को मरम्मत से दरकिनार नहीं किया जा सकता, वहां भी दोहरे मुनाफे के लिए मरम्मत करने का अधिकार बौद्धिक संपदा संरक्षण के बहाने अपने पास ही रखा निर्माताओं के मरम्मत की प्रवृत्ति को खत्म करने के गोरखधंधे को 'शमशेर कटारिया बनाम होंडा सील कार' के कानूनी मामले से समझा जा सकता है कि उत्पादक समूह किस स्तर तक न सिर्फ हमें एक अदद उपभोक्ता बना रहे हैं, बल्कि एक ही उत्पाद को नए-नए कलेवर के साथ एक खास अंतराल पर बेंच कर बार-बार मुनाफा कमाकर पृथ्वी को कूड़े का अंबार बना रहे हैं।

अब चूंकि चरम उपभोक्तावाद की हकीकत सामने आने लगी है, तो भारत सरकार सावधान और निर्माताओं के ऐसे गोरखधंधे पर लगाम लगाने को तत्पर हुई है। यूरोप और अमेरिका की तर्ज पर उपभोक्ता के मरम्मत का अधिकार सुनिश्चित करने की कवायद में जुट गई है। हालांकि यह तो अभी शुरुआत है, वैश्विक और भारत के स्तर पर सतत विकास के लक्ष्य के आधार पर उत्पाद तैयार करने से लेकर उसके उपयोग की समय- सीमा जैसे मुद्दों पर नकेल कसने की जरूरत है। अगर इस दिशा में सत्ता प्रतिष्ठान संज्ञान ले, तो न सिर्फ यह उपभोक्ता के लिए किफायती होगा, बल्कि पृथ्वी को कूड़े का ढेर बनने से बचा पाएंगे। टिकाऊ, मरम्मत योग्य और किफायती उत्पाद में ही सतत विकास निहित है, जिसके मूल में कम से कम संसाधन में ज्यादा से ज्यादा उपयोग या उपभोग है।

भाषा पाठ्यक्रम उभरते छात्रों के लिए शीर्ष करियर विकल्प

विजय गर्ग

भारत की आर्थिक वृद्धि के साथ-साथ इसके बढ़ते वैश्विक प्रभाव ने कई भाषाओं में कुशल पेशेवरों की मजबूत मांग पैदा की है। तेजी से बढ़ती वैश्वीकृत दुनिया में, भाषाई सीमाओं के पार संवाद करने की क्षमता एक मूल्यवान कौशल बन गई है। इससे भारत में छात्रों के बीच भाषा पाठ्यक्रमों में रुचि में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रमों और वैश्विक प्रवासन के बढ़ने के साथ, भाषा दक्षता अब केवल एक अकादमिक खोज नहीं है बल्कि विविध कैरियर के अवसरों का प्रवेश द्वार है। पूर्वानुमानित अवधि के दौरान 14.37 प्रतिशत की सीएजीआर से प्रगति करते हुए, भारतीय भाषा सेवा बाजार 2023 से 2028 तक 7.55 बिलियन अमेरिकी डॉलर बढ़ने की उम्मीद है। यह वृद्धि अनुवाद, व्याख्या और स्थानीयकरण सेवाओं की आवश्यकता से प्रेरित है क्योंकि भारतीय व्यवसाय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विस्तार कर रहे हैं। यह मांग आईटी, पर्यटन, आतिथ्य और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार जैसे उद्योगों में स्पष्ट है, जहां भाषा कौशल नौकरी की संभावनाओं को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ा सकते हैं। जैसे-जैसे भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था के साथ अधिक गहराई से जुड़ता जा रहा है, बहुभाषी पेशेवरों की मांग बढ़ने की उम्मीद है। यह प्रवृत्ति अधिक छात्रों को भाषा पाठ्यक्रमों को एक व्यवहार्य और आकर्षक कैरियर विकल्प के रूप में देखते हुए उन्हें आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करने की संभावना है। इसके अलावा, प्रौद्योगिकी के आगमन के साथ, ऑनलाइन भाषा सीखने के मंच भाषा शिक्षा को और अधिक सुलभ बना रहे हैं, जिससे देश के सभी हिस्सों के छात्र इन मूल्यवान कौशलों को हासिल करने में सक्षम हो रहे हैं। शैक्षिक परिदृश्यः भाषा पाठ्यक्रम बढ़ रहे हैं बहुभाषावाद के महत्व को पहचानते हुए, भारत में शैक्षणिक संस्थानों ने विशेष भाषा पाठ्यक्रम पेश करना शुरू कर दिया है। विश्वविद्यालय और कॉलेज मंदारिन, स्पेनिश, फ्रेंच, जर्मन और जापानी जैसी भाषाओं और यहां तक कि तमिल, बंगाली और मराठी जैसी क्षेत्रीय भारतीय भाषाओं में भी कार्यक्रम शुरू कर रहे हैं। शिक्षा मंत्रालय ने भाषाई विविधता के महत्व पर जोर देते हुए स्कूल स्तर पर विदेशी भाषाओं की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए कार्यक्रम भी शुरू किए हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 भी पाठ्यक्रम में अधिक भाषाओं को शामिल करने की वकालत करते हुए बहुभाषावाद के महत्व पर प्रकाश डालती है। इस नीति बदलाव से छात्रों के बीच भाषा पाठ्यक्रमों की लोकप्रियता को और बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। प्रवेश निदेशक, गीतम डीम्ड यूनिवर्सिटी ने भारतीय छात्रों द्वारा अपनाई जाने वाली सबसे आम विदेशी भाषाओं को साझा किया है फ्रेंच फ्रेंच भारतीय छात्रों के बीच सबसे लोकप्रिय विदेशी भाषाओं में से एक है, आंशिक रूप से इसकी वैश्विक उपस्थिति और फ्रेंच भाषी देशों के व्यापक नेटवर्क के कारण। संस्थानः भारत में एलायंस फ्रांसेज़ नेटवर्क, कई स्कूलों और विश्वविद्यालयों के साथ, व्यापक फ्रेंच भाषा कार्यक्रम प्रदान करता है। कैरियर के अवसरः अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, कूटनीति, पर्यटन और शिक्षा क्षेत्र में फ्रांसीसी दक्षता मूल्यवान है। जर्मन जर्मनी के मजबूत औद्योगिक आधार के कारण, विशेषकर इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी और विज्ञान में रुचि रखने वाले छात्रों के बीच जर्मन को अत्यधिक पसंद किया जाता है। संस्थानः गोएथे-इंस्टीट्यूट (मैक्स म्यूएलर भवन) भारत में जर्मन भाषा सीखने को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। करियर के अवसरः इंजीनियरिंग, ऑटोमोटिव उद्योगों और उच्च शिक्षा में करियर के लिए जर्मन महत्वपूर्ण है, खासकर उन लोगों के लिए जो जर्मनी में अध्ययन या काम करना चाहते हैं। स्पैनिश स्पैनिश भाषा बड़ी होने के कारण तेजी से लोकप्रियता हासिल कर रही हैस्पैनिश भाषी देशों की संख्या और दुनिया में दूसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा के रूप में इसकी स्थिति। संस्थानः इंस्टीट्यूटो सर्वेंट्स और भारत भर के विभिन्न विश्वविद्यालय स्पेनिश भाषा पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं। कैरियर के अवसरः स्पेनिश का ज्ञान अंतरराष्ट्रीय व्यापार, पर्यटन, अनुवाद और बीपीओ (बिजनेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग) क्षेत्रों में करियर के लिए फायदेमंद है। मंदारिन चीनी चीन के एक प्रमुख वैश्विक आर्थिक शक्ति होने के साथ, व्यवसाय और व्यापार में करियर बनाने का लक्ष्य रखने वाले भारतीय छात्रों द्वारा मंदारिन को तेजी से अपनाया जा रहा है। संस्थानः कन्फ्यूशियस संस्थान जैसे कई विश्वविद्यालय और सांस्कृतिक केंद्र भारत में मंदारिन पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं। कैरियर के अवसरः मंदारिन में प्रवीणता अंतरराष्ट्रीय व्यापार, व्यवसाय और कूटनीति जैसे क्षेत्रों में विशेष रूप से उपयोगी है। जापानी इन उद्योगों में जापान की मजबूत उपस्थिति के कारण, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रॉनिक्स में रुचि रखने वाले छात्रों के बीच जापानी लोकप्रिय है। संस्थानः जापान फाउंडेशन और भारत के विभिन्न विश्वविद्यालय जापानी भाषा कार्यक्रम पेश करते हैं। कैरियर के अवसरः जापानी भाषा कौशल को ऑटोमोटिव, आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे उद्योगों में और जापानी कंपनियों के साथ काम करने में रुचि रखने वालों के लिए अत्यधिक महत्व दिया जाता है। विज्ञापन रूसी विज्ञान, प्रौद्योगिकी और साहित्य में रुचि रखने वाले छात्रों द्वारा रूसी भाषा को चुना जाता है, विशेष रूप से रूस के साथ भारत के दीर्घकालिक संबंधों के कारण। संस्थानः भारत में कई विश्वविद्यालय रूसी भाषा पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं। कैरियर के अवसरः रूसी अंतरराष्ट्रीय संबंधों, रक्षा और प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में करियर के साथ-साथ रूस में उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्रों के लिए उपयोगी है। कोरियाई कोरियाई लहर (हल्लीयू) और इलेक्ट्रॉनिक्स, मनोरंजन और ऑटोमोटिव उद्योगों में दक्षिण कोरिया की मजबूत उपस्थिति के कारण कोरियाई की लोकप्रियता बढ़ रही है। संस्थानः किंग सेजोंग संस्थान और भारत के विभिन्न विश्वविद्यालय कोरियाई भाषा कार्यक्रम पेश करते हैं। कैरियर के अवसरः कोरियाई भाषा कौशल मनोरंजन और प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में और दक्षिण कोरियाई कंपनियों में अवसर तलाशने वालों के लिए मूल्यवान हैं। विभिन्न उद्योगों में भाषा कौशल की बढ़ती मांग और शैक्षणिक संस्थानों में भाषा पाठ्यक्रमों की बढ़ती उपलब्धता ने भारत में उभरते छात्रों के लिए भाषा पाठ्यक्रमों को एक शीर्ष करियर विकल्प बना दिया है। वैश्विक अर्थव्यवस्था में सफलता के लिए खुद को स्थापित करने की चाहत रखने वाले छात्रों के लिए, भाषा शिक्षा में निवेश करना एक रणनीतिक और दूरदर्शी विकल्प है।

पैसे रखें तैयार, बाजार में आ रहे हैं बजाज हाउसिंग फाइनेंस जैसी बड़ी कंपनियों के आईपीओ

परिवहन विशेष न्यूज

Upcoming IPO निवेश के लिए आईपीओ काफी अच्छा ऑप्शन है। निवेशकों के बीच लगातार आईपीओ का क्रेज बढ़ रहा है। हाल ही में बजाज हाउसिंग फाइनेंस के आईपीओ (Bajaj Housing Finance IPO) की लिस्टिंग ने निवेशकों के बीच अपनी जगह बना ली। अब निवेशक बड़ी कंपनियों के आईपीओ का इंतजार कर रहे हैं।हम आपको उन बड़ी कंपनियों के बारे में बताएंगे जिनके आईपीओ आने वाले हैं।

नईदिल्ली। शेयर बाजार में जारी स्टॉक निवेश के साथ अब निवेशकों की दिलचस्पी आईपीओ (IPO) में भी बढ़ गई है। निवेशक बड़ी कंपनी के आईपीओ खुलने का इंतजार कर रहे हैं। हाल ही में बजाज फाइनेंस का आईपीओ (Bajaj Housing Finance IPO) आया था। इस आईपीओ का मार्केट में लिस्टिंग काफी शानदार हुई थी। जिन निवेशकों को कंपनी का आईपीओ अलॉट हुआ था उन्हें लिस्टिंग के बाद शानदार लाभ हुआ।

अब निवेशक आगामी आईपीओ पर नजर बनाए बैठे हैं। निवेशकों को उम्मीद है कि बड़ी कंपनियों के आईपीओ से उन्हें ज्यादा लाभ होगा। अगर आप भी आईपीओ में निवेश करते हैं तो हम आपको आने वाले बड़ी कंपनियों के आईपीओ (Upcoming IPO) के बारे में बताएंगे।

NTPC Green IPO

नेशनल थर्मल पावर कॉरपोरेशन यानी एनटीपीसी (NTPC) की सब्सिडियरी कंपनी का आईपीओ आने वाला है। जी हां, NTPC Green Energy ने सेबी के पास ड्राफ्ट पेपर सबमिट कर दिया है। इस आईपीओ के जरिये कंपनी 10000 करोड़ रुपये जुटाने की प्लानिंग कर रही है। ड्राफ्ट पेपर के मुताबिक इस आईपीओ में केवल फ्रेश इश्यू ही जारी होगा। इसके अलावा कंपनी ने बताया है कि वह इस आईपीओ के जरिये जुटाए राशि का इस्तेमाल कर्ज चुकाने के लिए करेगी। इसके अलावा एनर्जी सेक्टर में विस्तार के लिए भी कंपनी आईपीओ राशि का इस्तेमाल करेगी।

Hyundai IPO

ऑटोमोबाइल सेक्टर की हुंडई (Hyundai) भी जल्द शेयर बाजार में कदम रखेगी। कंपनी का आईपीओ बाजार का सबसे बड़ा आईपीओ माना जा रहा है। उम्मीद है कि कंपनी इस साल अपना आईपीओ लॉन्च करेगी। कंपनी 21000- 25000 करोड़ और 2.50 लाख करोड़ वैल्यूएशन वाला आईपीओ लाने की योजना बना रही है। बाजार में लगभग 20 साल के बाद कार मैन्युफैक्चरिंग कंपनी का आईपीओ आएग। इससे पहले Maruti Suzuki का आईपीओ 2003 में आया था।

Swiggy IPO

फूड डिलीवरी और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म स्विगी (Swiggy) का आईपीओ भी जल्द निवेशकों के लिए खुलने वाला है। कंपनी ने अपने आईपीओ के लिए ड्राफ्ट पेपर अभी फाइल नहीं किया है पर उम्मीद है कि इस हफ्ते के अंत तक कंपनी ड्राफ्ट पेपर फाइल कर देगी।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार कंपनी इस आईपीओ के जरिये 1 अरब डॉलर से ज्यादा का फंड जुटाने की योजना कर रही है। इस कंपनी में फ्रेश इश्यू के साथ ऑफर फॉर सेल भी शामिल होगा। बता दें कि कंपनी के आईपीओ आने से पहले बॉलीवुड की धक धक गर्ल यानी माधुरी दीक्षित ने निवेश किया है।

LG IPO

दक्षिण कोरियाई कंपनी एलजी इलेक्ट्रोनिक्स इंक (LG) भी भारत के स्टॉक मार्केट में एंट्री ले सकता है। अभी तक कंपनी ने प्रॉस्पेक्टस दाखिल नहीं किया है पर उम्मीद है कि कंपनी अक्टूबर में सेबी के पास प्रॉस्पेक्टस फाइल कर सकती है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एलजी इलेक्ट्रोनिक्स अपने आईपीओ के जरिये 8 से 13 हजार करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रही है। अभी तक कंपनी के आईपीओ को लेकर कोई अधिकारिक सूचना नहीं आई है पर उम्मीद है कि साल के अंत या फिर अगले साल तक कंपनी का आईपीओ आ सकता है।

अगर बढ़ी ट्रांजैक्शन फीस तो यूजर्स का UPI से होगा मोहभंग,इस्तेमाल करने वालों की संख्या हो जाएगी धड़ाम

UPI Transaction Fees .यूपीआई से पेमेंट करना काफी आसान हो गया है। ऐसे में अब लोग ऑनलाइन पेमेंट के लिए यूपीआई करना पसंद करते हैं। यूपीआई के जरिये जितना अमाउंट की पेमेंट की जाती है उस हिसाब से ट्रांजैक्शन फीस लगती है। यूपीआई ट्रांजैक्शन फीस (UPI Transaction Fees) को लेकर Localcircles ने सर्वे किया था। आइए इस आर्टिकल में विस्तार से जानते हैं।

नई दिल्ली। भारत में ऑनलाइन पेमेंट के लिए यूनिफाइट पेमेंट इंटरफेस यानी यूपीआई (UPI) का क्रेज लगातार बढ़ रहा है। अब लोग किराने से सामान खरीदने के लिए भी यूपीआई करना पसंद करते हैं। यूपीआई के जरिये पेमेंट करने पर यूजर को ट्रांजैक्शन फीस (UPI Transaction Fees) देनी होती है। वैसे तो पेमेंट के हिसाब से ट्रांजैक्शन फीस लगती है।

यूजर की ट्रांजैक्शन फीस को लेकर Localcircles ने एक सर्वे किया था। इस सर्वे रिपोर्ट के अनुसार अगर यूपीआई की ट्रांजैक्शन फीस बढ़ जाती है तो 75 फीसदी यूजर यूपीआई का इस्तेमाल नहीं करेंगे। सर्वे रिपोर्ट में पाया गया कि 38 फीसदी यूजर लेनेदेन के लिए डेबिट कार्ड (Debit Card), क्रेडिट कार्ड (Credit Card) या फिर कोई दूसरे सोर्स से लेनेदेन की जगह पर यूपीआई के जरिये पेमेंट करते हैं।

कम हो सकता है यूपीआई ट्रांजैक्शन

Localcircles सर्वे रिपोर्ट में कहा गया कि ट्रांजैक्शन फीस बढ़ जाने के बाद 22 फीसदी यूजर ने कहा कि वह फिर भी यूपीआई का इस्तेमाल करेंगे। वहीं 75 फीसदी यूपीआई यूजर (UPI User) ने कहा कि ट्रांजैक्शन फीस बढ़ जाने के बाद वह यूपीआई के जरिये पेमेंट नहीं करेंगे।

Localcircles ने बताया कि यह सर्वे 308 जिलों में हुई। इसमें 42,000 प्रतिक्रियाएं मिली गई है। यह सर्वे 15 जुलाई से 20 सितंबर के बीच कंडक्ट हुआ था।

लगातार बढ़ रहा है यूपीआई ट्रांजैक्शन

नेशनल पेमेंट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (NPCI) ने बताया कि यूपीआई ट्रांजैक्शन (UPI Transaction) की संख्या में 57 फीसदी की तेजी देखने को मिली है। पिछले वित्त वर्ष की तुलना में कारोबारी साल 2023-24 में यूपीआई ट्रांजैक्शन का वॉल्यूम में 44 फीसदी का इजाफा हुआ है।

यह पहली बार है जब यूपीआई ट्रांजैक्शन ने 100 बिलियन को पार किया है। वहीं वित्त वर्ष 2022-23 में यूपीआई ट्रांजैक्शन 84 बिलियन हुआ था, जो कि FY24 में करीब 131 बिलियन तक पहुंच गया था।

विश्लेषकों ने बताया आगामी हफ्ते में कौन-से फैक्टर्स करेंगे बाजार की चाल को तय

Market This Week पिछले हफ्ते शेयर बाजार के दोनों मुख्य सूचकांक अपने नए उच्चतम स्तर पर पहुंच गए थे। शुक्रवार को सेंसेक्स और निफ्टी ने ऑल-टाइम हाई को टच किया था। बाजार में तेजी फेड के फैसले के बाद आई है। ऐसे में अब निवेशकों की नजर कल से शुरू होने वाले कारोबारी सत्र पर है। आगामी हफ्ते में शेयर बाजार के लिए कौन-से फैक्टर्स अहम रहेंगे?

नई दिल्ली। पिछले पांच कारोबारी सत्र में बाजार में शानदार तेजी देखने को मिली है। बाजार में 19 सितंबर के बाद से तेजी आई है। यह तेजी अमेरिकी फेड के ब्याज कटौती के फैसले के बाद आया है। पिछले 3 सत्र से बाजार के दोनों सूचकांक अपने ऑल-टाइम हाई को टच कर रहे हैं। बीते हफ्ते में जारी तेजी का असर क्या अगले हफ्ते भी रहेगा? निवेशकों के मन में ऐसे कई सवाल आ रहे हैं।

23 सितंबर से शुरू कारोबारी हफ्ते को लेकर बाजार विश्लेषकों ने कहा कि इस हफ्ते ग्लोबल मार्केट के संकेत का असर बाजार पर दिखने को मिलेगा। इसके अलावा विदेशी निवेशकों का रूख भी बाजार को एकहद तक प्रभावित करेगा। बता दें कि इस हफ्ते मंथली डेरिवेटिव एक्सपायरी ही है।

अमेरिका के फेड रिजर्व द्वारा ब्याज कटौती के फैसले ने भारतीय शेयर बाजार को प्रभावित किया है। ब्याज कटौती की वजह से ही भारतीय शेयर मार्केट में शानदार तेजी आई। अभी विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार के प्रति निवेश का रुख अपनाया हुआ है।

स्वास्तिका इन्वेस्टमार्ट लिमिटेड के अनुसंधान प्रमुख संतोष मीना

इसके आगे संतोष मीना ने कहा पूरे हफ्ते के कारोबारी सत्र में सबसे आकर्षण भरा विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) द्वारा की जाने वाली खरीदारी रही। एफआईआई ने शुक्रवार को 14,000 करोड़ रुपये से ज्यादा निवेश किया है।

ये फैक्टर्स रहेंगे अहम

अगले हफ्ते बाजार की चाल को कौन-से फैक्टर्स प्रभावित करेंगे। इस पर संतोष मीना ने कहा कि आगामी हफ्ते ज्यादा कोई फैक्टर्स बाजार को प्रभावित नहीं करेंगे। अमेरिका के मैक्रोइकोनॉमिक डेटा और विदेशी निवेशकों की चाल का असर शेयर बाजार पर पड़ सकता है। वैश्विक स्तर पर भू-राजनीतिक स्थिति का असर बाजार पर पड़ सकता है।

रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के एसवीपी, रिसर्च, अजीत मिश्रा ने कहा कि फेड द्वारा ब्याज दर में कटौती का असर इस हफ्ते भी बाजार में रहेगा। निवेशकों को क्रूड ऑयल की कीमतों और विदेशी निवेशकों के फंड फ्लो पर नजर बनाए रखनी चाहिए। यह दोनों फैक्टर बाजार की चाल को प्रभावित कर सकता है।

पिछले हफ्ते कैसी थी बाजार की चाल

अगर पिछले हफ्ते बाजार की चाल की बात करें तो शुक्रवार को सेंसेक्स और निफ्टी अपने ऑल-टाइम हाई पर बंद हुए। शुक्रवार को सेंसेक्स 1,359.51 अंक या 1.63 फीसदी चढ़कर 84,544.31 अंक पर पहुंच गया। इंट्रा-डे में सेंसेक्स ने 84,694.46 अंक को टच कर लिया था।

वहीं निफ्टी 375.15 अंक यानी 1.48 फीसदी की तेजी के साथ 25,790.95 अंक पर पहुंच गया। इसनें भी इंट्रा-डे में 25,849.25 अंक के उच्चतम स्तर को टच कर लिया था।

एफपीआई प्रवाह में जारी है तेजी, फेड रेट कार्ड के बाद जोरों-शोरों से विदेशी निवेशकों ने किया निवेश

परिवहन विशेष न्यूज

FPI Inflow Data सितंबर में भी विदेशी निवेशकों ने निवेश का रुख अपनाया है। 20 सितंबर तक विदेशी निवेशकों ने 33691 करोड़ रुपये का निवेश किया है। यह इस साल का दूसरा सबसे ज्यादा निवेश है। इससे पहले एफपीआई ने मार्च में निवेश किया था। फेड के ब्याज दर कटौती के फैसले के बाद एफपीआई इनफ्लो में तेजी आई है।

नई दिल्ली। अमेरिका के सेंट्रल बैंक ने 18 सितंबर को ब्याज दर में कटौती की घोषणा की थी। फेड ने चार साल के बाद 0.50 फीसदी की कटौती की है। फेड द्वारा ब्याज दर में कटौती के बाद विदेशी निवेशकों ने जोरो-शोरों से भारतीय शेयर बाजार में निवेश किया है।

सितंबर महीने की बात करें तो अभी तक विदेशी निवेशकों ने 33,700 करोड़ रुपये की इक्विटी में निवेश किया है। इस साल में दूसरी बार है कि विदेशी निवेशकों ने इतना ज्यादा निवेश किया है। डिपॉजिटरी के मुताबिक इससे पहले मार्च में एफपीआई ने 35,100 करोड़ रुपये का निवेश किया था।

जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा विदेशी निवेशकों द्वारा निवेश अभी आगे भी जारी रहने की उम्मीद है।

एफपीआई ने कितना किया निवेश

डिपॉजिटरी की डेटा के अनुसार 20 सितंबर तक एफपीआई ने 33,691 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इस निवेश के बाद उम्मीद है कि साल के अंत तक विदेशी निवेशक इक्विटी में 76,572 करोड़ रुपये का निवेश करेंगे। हालांकि अप्रैल से मई के महीने में एफपीआई आउटफ्लो भी हुआ था। विदेशी निवेशकों ने अप्रैल से मई में 34,252 करोड़ रुपये की निकासी किया था।

ग्लोबल मार्केट में डॉलर कमजोर हो गया है। इस वजह से विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार की तरफ अपना रुख अपनाया। डॉलर के मुकाबले रुपया मजबूत खड़ा है। ऐसे में जहां एक तरफ रुपया मजबूत हो रहा है तो वहीं यह एक्सपोर्ट सेक्टर के लिए

चुनौती बन सकता है।

रिसर्च एनालिस्ट फर्म GoalFi के स्मॉलकेस मैनेजर और संस्थापक और सीईओ रॉबिन आर्य

मनोज पुरोहित, पार्टनर और लीडर, एफएस टैक्स, टैक्स एंड रेगुलेटरी सर्विसेज, बीडीओ इंडिया ने कहा कि महंगाई दर में गिरावट के साथ राजकोषीय घाटा संतुलित रहा। इसके अलावा भारतीय शेयर बाजार में आ रहे आईपीओ (IPO) ने भी विदेशी निवेशकों को आकर्षित किया है।

डेट मार्केट में भी जारी निवेश

विदेशी निवेशकों ने शेयर मार्केट के इक्विटी में निवेश के साथ डेट मार्केट में भी निवेश जारी रखा है। एफपीआई ने डेट मार्केट में Voluntary Retention Route (VRR) के माध्यम से 7,361 करोड़ रुपये और Fully Accessible Route (FRR) के माध्यम से 19,601 करोड़ रुपये का निवेश किया।

मार्केट एक्पर्ट का कहना है कि निवेशकों की नजर अब भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के फैसले पर है। अगर आरबीआई अक्टूबर की एमपीसी बैठक में रेपो रेट में कटौती करता है तो वह फेड के फैसलों से तालमेल बनाएगा। अगर अक्टूबर में ब्याज दर में बदलाव नहीं होता है तो आरबीआई दिसंबर तक इस फैसले को टाल सकता है।

जल्द बनना है करोड़पति तो कौन-सी स्कीम रहेगी बेस्ट, यहां समझें पूरा कैलकुलेशन

परिवहन विशेष न्यूज

NPS Vatsalya Yojana vs PPF वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने हाल ही में NPS Vatsalya Yojana लॉन्च की है। यह योजना बच्चों के लिए इन्वेस्टमेंट स्कीम है। इस स्कीम में माता-पिता निवेश करके बच्चों के लिए फंड तैयार कर सकते हैं। इस आर्टिकल में जानते हैं कि NPS वात्सल्य और पोस्ट पोस्ट ऑफिस की PPF योजना में से किस स्कीम में जल्द करोड़ रुपये का फंड तैयार हो जाएगा।

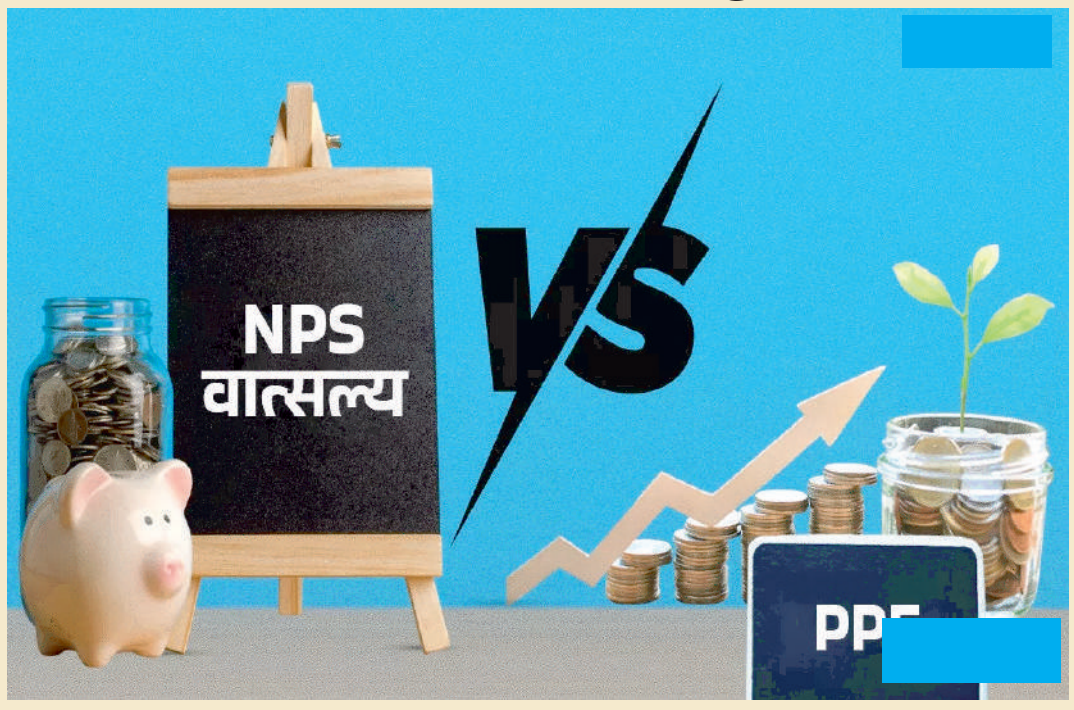

नई दिल्ली। वित्त मंत्री ने हाल में बच्चों के लिए एनपीएस वात्सल्य योजना (NPS Vatsalya Yojana) शुरू की है। यह योजना स्पेशली बच्चों के लिए शुरू की गई है। इस योजना में माता-पिता बच्चो के लिए निवेश करेंगे जो कि बाद में बच्चों के काम आएगा।

एनपीएस वात्सल्य योजना के बारे में

इस योजना के तहत 18 साल से कम उम्र के बच्चो का एनपीएस अकाउंट (NPS Account) ओपन किया जा सकता है। अकाउंट ओपन करने के लिए कम से कम 1000 रुपये का निवेश करना होता है। इस योजना में अधिकतम निवेश की कोई सीमा नहीं है।

इस योजना में निवेश के 3 साल के बाद आंशिक निकासी कर सकते हैं। आंशिक निकासी केवल एजुकेशन या इलाज के लिए कर सकते हैं। अगर योजना मैच्योर हो जाती है तो इसे आगे भी बढ़ाया जा सकता है। बता दें कि वैसे तो यह योजना के 18 साल के बाद मैच्योर हो जाती है।

अगर एनपीएस वात्सल्य योजना के फंड में 2.5 लाख रुपये से कम की राशि होती है तो पुरी निकासी कर सकते हैं। लेकिन, 2.5 लाख रुपये से ज्यादा होने पर केवल 20 फीसदी ही निकाल सकते हैं। बाकी के 80 फीसदी की राशि से एन्युटी खरीद सकते हैं। एन्युटी की राशि से आपके बच्चे को 60 साल के बाद पेंशन का लाभ मिलना शुरू हो जाएगा।

कई निवेशक NPS वात्सल्य और पोस्ट पोस्ट ऑफिस की PPF योजना को लेकर काफी कन्फ्यू है। इन दोनों स्कीम में से किस स्कीम में बेहतर रिटर्न मिलेगा? किस स्कीम में निवेश करके कम समय में करोड़ रुपये का फंड तैयार हो जाएगा। ऐसे कई सवाल मन में आ रहे हैं। हम आपको बताएंगे कि इन दोनों स्कीम में से किस स्कीम में कम समय में करोड़ रुपये का फंड तैयार हो जाएगा।

कौन-सी स्कीम बनाएगी जल्द करोड़पति

अगर आप NPS वात्सल्य में सालाना 10 हजार रुपये जमा करते हैं तो 18 साल तक लगातार निवेश करने के बाद आपने कुल 5 लाख रुपये का निवेश किया। इस निवेश पर आपका सालाना लगभग 10 फीसदी का रिटर्न मिलेगा। अगर 60 साल तक फंड से कोई निकासी नहीं करते हैं को कुल 2.75 करोड़ रुपये का फंड तैयार हो जाएगा।

वहीं, अगर पीपीएफ में सालाना 1.5 लाख रुपये का निवेश करते हैं तो 25 साल तक लगातार निवेश करने पर आपका टोटल फंड 1,03,08,015 रुपये का होगा। बता दें कि अभी पीपीएफ स्कीम में 7.1 फीसदी का ब्याज मिल रहा है।

पोस्ट ऑफ़िस की धांसू स्कीम, 5 साल के निवेश के बाद 2 लाख रुपये का मिलता है तगड़ा ब्याज

पोस्ट ऑफिस निवेश के लिए कई सेविंग स्कीम चला रहा है। इन स्कीम के जरिये निवेशक उच्च ब्याज का लाभ उठा सकते हैं। अगर आप भी पोस्ट ऑफिस स्कीम से हाई रिटर्न पाना चाहते हैं तो आपको पोस्ट ऑफिस टाइम डिपॉजिट स्कीम (Post Office Time Deposit Scheme) में निवेश करना चाहिए। इस स्कीम के बारे में विस्तार से जानते हैं।

नई दिल्ली। निवेश के लिए बैंक एफडी (Bank FD) के साथ पोस्ट ऑफिस की सेविंग स्कीम (Saving Scheme) भी काफी पॉपुलर है। पोस्ट ऑफिस की स्कीम (Post Office Saving Scheme) में निवेश करके आप सेविंग के साथ ज्यादा रिटर्न भी पा सकते हैं। वैसे तो पोस्ट ऑफिस की कई सेविंग स्कीम है, लेकिन इनमें से पोस्ट ऑफिस टाइम डिपॉजिट स्कीम (Post Office Time Deposit Scheme) काफी पॉपुलर है।

इस स्कीम में निवेश करके आप भी उच्च ब्याज दर का लाभ उठा सकते हैं। दरअसल, इस स्कीम में सरकार तगड़ा ब्याज दे रही है। हम आपको इस स्कीम के बारे में बताएंगे।

पोस्ट ऑफिस टाइम डिपॉजिट स्कीम के बारे में

पोस्ट ऑफिस की इस स्कीम में कोई भी निवेश कर सकता है। यानी इस स्कीम में निवेश की कोई उम्र की सीमा नहीं है। इसमें हाई इंटरेस्ट के साथ टैक्स बेनिफिट (Tax Benefit) का भी लाभ मिलता है। सरकार अभी इस स्कीम में 7.5 फीसदी का ब्याज दे रही है। यह स्कीम अधिकतम पांच साल में मैच्योर हो जाती है। अगर रिटर्न की बात करें तो बाकी पोस्ट ऑफि स्कीम की तुलना में इसमें ज्यादा रिटर्न मिलता है।

पोस्ट ऑफिस टाइम डिपॉजिट स्कीम की ब्याज दर

पोस्ट ऑफिस की टाइम डिपॉजिट स्कीम पर अलग-अलग टेन्योर की ब्याज दर अलग है।

- 1 साल की टेन्योर पर 6.9 फीसदी का ब्याज मिल रहा है।
- 2 से 3 साल की डिपॉजिट स्कीम पर 7 फीसदी का ब्याज मिल रहा है।
- 5 साल के लिए निवेश पर 7.5 फीसदी का ब्याज दर मिल रहा है।

ब्याज से होगी लाखों की कमाई

पोस्ट ऑफिस टाइम डिपॉजिट के इंटरेस्ट रेट को कैलकुलेट करें तो इसमें लाखों रुपये तक का ब्याज मिल सकता है। इसे ऐसे समझें कि अगर आप पांच साल के लिए 5 लाख रुपये का निवेश करते हैं तो आपको मैच्योरिटी के बाद कुल 7,24,974 रुपये मिलेगी। इसमें से 2,24,974 रुपये ब्याज के होंगे।

दुनिया का सबसे चुनौतीपूर्ण हवाई अड्डा, सिर्फ 50 पायलट्स के पास है यहां से विमान उड़ाने की ट्रेनिंग

भारत के पड़ोस में दुनिया का सबसे चुनौती भरा एयरपोर्ट मौजूद है। यहां सिर्फ 50 पायलट ही विमान उड़ा सकते हैं। छोटी सी गलती बहुत भारी पड़ सकती है। भौगोलिक परिस्थितियां इस एयरपोर्ट को चुनौतीपूर्ण बनाती हैं। विशेष प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद ही यहां पायलट विमान का परिचालन करने के योग्य होता है। दोपहर से पहले का समय फ्लाइट के लिहाज से उपयुक्त होता है।

नई दिल्ली। क्या आप दुनिया के सबसे चुनौतीपूर्ण हवाईअड्डे के बारे में जानते हैं। भारत के पड़ोस में दुनिया का सबसे चुनौतीपूर्ण एयरपोर्ट है। खास बात यह है कि इस एयरपोर्ट पर सिर्फ दुनिया के 50 पायलट ही फ्लाइट ऑपरेट करने की योग्यता रखते हैं। यह एयरपोर्ट है भूटान का पारो।

भूटान का पारो एयरपोर्ट ऊंची-ऊंची चोटियों से घिरा है। यहां छोटी सी चूक बड़ा हादसे का कारण बन सकता है। अगर पायलट को एयरपोर्ट के आसपास के क्षेत्र का ज्ञान नहीं है तो वह यहां फ्लाइट उतार नहीं सकता है। पारो एयरपोर्ट पर दो 18,000-फुट की चोटियों के बीच से एक छोटे रनवे पर जहाज को उतारना पड़ता है।

जंबो विमान नहीं उतर सकते

सीएनएन की रिपोर्ट की मुताबिक भौगोलिक परिस्थितियों की वजह से पारो एयरपोर्ट पर जंबो जेट विमानों का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। भूटान की सरकारी एयरलाइन ड्रुक एयर में पिछले 25 साल से काम कर रहे कैप्टन चिमी दोरजी ने सीएनएन को बताया कि पारो कठिन है, लेकिन खतरनाक नहीं है। यह पायलट के कौशल के लिए चुनौतीपूर्ण है, अगर यह खतरनाक होता तो मैं उड़ान नहीं भरता।"

विशेष प्रशिक्षण वाले पायलट ही उतार सकते विमान

भूटान का पारो सी श्रेणी का हवाई अड्डा है। इसका मतलब यह हुआ कि यहां विशेष प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले पायलट ही विमान उड़ा सकते हैं। दोरजी का कहना है कि पायलटों के लिए हवाई अड्डे के आसपास के परिदृश्य को जानना महत्वपूर्ण है। इसमें एक इंच का भी अंतर होने पर आप किसी के घर की छत पर उतर सकते हैं।

पहाड़ बनाते हैं चुनौतीपूर्ण

पारो एयरपोर्ट का रनवे सिर्फ 7,431 फीट लंबा है। रनवे के दोनों तरफ दो ऊंचे पहाड़ हैं। इस वजह से पायलट को रनवे एकदम नजदीक आने पर उतरते वक्त ही दिखता है।

पायलट के लिए स्थानीय ज्ञान जरूरी

बिना स्थानीय ज्ञान और कौशल के यहां विमान उतारना खतरे से खाली नहीं है। भूटान की राजधानी थिम्पू समुद्र तल से 7,710 फीट की ऊंचाई पर है। मगर पारो 7,382 फीट की ऊंचाई पर है। उंचे स्थानों पर हवा पतली होने की वजह से विमान तेजी से उड़ता है।

दोपहर से पहले सबसे उपयुक्त समय

पारो एयरपोर्ट पर दोपहर से पहले विमानों की लैंडिंग सबसे उपयुक्त मानी जाती है। दरअसल, दोपहर बाद हवाएं तेज हो जाती हैं। तापमान भी बढ़ता है। सुबह हवाएं शांत रहती हैं। मानसून में यहां विमान का परिचालन करना और चुनौतीपूर्ण हो जाता है।

तिरुपति प्रसाद विवाद पर जगन रेड्डी ने पीएम मोदी को लिखा पत्र, झूठ फैलाने के लिए नायडू को फटकार लगाने की मांग

तिरुपति मंदिर प्रसाद विवाद पर आंध्र प्रदेश के पूर्व सीएम जगन रेड्डी ने पीएम मोदी को पत्र लिखा है और झूठ फैलाने के लिए नायडू को फटकार लगाने की मांग की है। जगन ने नायडू को आतदन झूठा करार देते हुए कहा कि उन्होंने केवल राजनीतिक उद्देश्यों के लिए करोड़ों लोगों की आस्था को ठेस पहुंचाई है। पढ़ें जगन ने पीएम से और क्या-क्या कहा।

अमरावती। तिरुपति मंदिर के प्रसाद में मिलावट को लेकर मचे बवाल के बीच आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री जगन्न मोहन रेड्डी ने पीएम मोदी को पत्र लिखते हुए चंद्रबाबू नायडू की शिकायत की है। जगन ने नायडू को फटकार लगाने के लिए पीएम से हस्तक्षेप करने की भी मांग की है। जगन रेड्डी ने पीएम मोदी को पत्र लिखकर चंद्रबाबू नायडू को आदतन झूठा करार देते हुए कहा कि नायडू इतने नीचे गिर गए हैं कि उन्होंने केवल राजनीतिक उद्देश्यों के लिए करोड़ों लोगों की आस्था को ठेस पहुंचाई है। जगन रेड्डी ने श्री वेंकटेश्वर स्वामी के अति-समृद्ध मंदिर के संरक्षक तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) में घी स्वीकार करने की प्रक्रिया का विवरण देते हुए आठ पन्नों के पत्र में आरोप लगाया कि नायडू के कार्यों ने न केवल सीएम के कद को गिराया है, बल्कि सार्वजनिक जीवन में टीटीडी की पवित्रता और इसकी प्रथाओं को भी गिराया है।

पूरा देश आपकी ओर देख रहा है: जगन

जगन ने पीएम मोदी को भेजे गए पत्र में लिखा, 'सर, पूरा देश इस महत्वपूर्ण मोड़ पर आपकी ओर देख रहा है। यह बहुत जरूरी है कि झूठ फैलाने के उनके बेशर्म कृत्य के लिए श्री नायडू को कड़ी फटकार लगाई जाए और सच्चाई को सामने लाया जाए। सर, इससे करोड़ों हिंदू भक्तों के मन में श्री नायडू द्वारा पैदा किए गए संदेह को दूर करने और टीटीडी की पवित्रता में उनके विश्वास को बहाल करने में मदद मिलेगी।' जगन रेड्डी ने पीएम मोदी को मामले का विवरण देते हुए कहा कि कथित रूप से मिलावटी घी को अस्वीकार कर दिया गया था और टीटीडी के परिसर में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी गई थी। हालांकि, नायडू ने दुर्भावनापूर्ण इरादे से 18 सितंबर को एक राजनीतिक पार्टी की बैठक में इस मुद्दे को उठाया।

एमबीबीएस में दाखिले का रास्ता है नीट यूजी परीक्षा

विजय गर्ग

बारहवीं में बायोलॉजी लेने वाले अधिकतर छात्रों की योजना आगे चल कर डॉक्टर बनने की होती है। लेकिन इसमें वे छात्र ही सफल हो पाते हैं, जिनमें कड़ी मेहनत और समर्पण के साथ आगे बढ़ने की इच्छाशक्ति होती है। आज देश के 600 से अधिक निजी व सरकारी मेडिकल कॉलेजों में 92,000 से ज्यादा एमबीबीएस की सीटें हैं। वहीं हाल ही की खबर है कि भारत सरकार की ओर से मेडिकल में नई 75000 सीटें और बढ़ाई जाएंगी। तो, एमबीबीएस के कोर्स में दाखिले को लेकर कुछ महत्वपूर्ण पहलुओं के बारे में यहां समझें:

■ **एमबीबीएस कोर्स में प्रवेश के लिए प्रक्रिया:** देश भर के तमाम सरकारी व निजी मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस में प्रवेश के लिए राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश • परीक्षा नीट यूजी (NEET-UG) देना होगा, जो नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा साल में एक बार आयोजित की जाती है।

■ नीट यूजी के अंतर्गत 5.5 वर्षीय एमबीबीएस कोर्स में तो दाखिला होता ही है, वहीं 5 वर्षीय बीडीएस (बैचलर ऑफ डेंटल सर्जरी), 5.5 वर्षीय बीएएमएस (बैचलर ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसिन एंड सर्जरी), 5.5 वर्षीय बीयूएमएस (बैचलर ऑफ यूनानी मेडिसिन एंड सर्जरी) एवं 5.5 वर्षीय बीएचएमएस (बैचलर ऑफ होम्योपैथिक मेडिसिन एंड सर्जरी) में भी दाखिले का आधार यही परीक्षा है।

■ **नीट यूजी प्रवेश परीक्षा की योग्यता क्या है:** यदि आपने 12वीं की परीक्षा पीसीबी (फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायो) विषयों के साथ उत्तीर्ण की है और आपकी अधिकतम आयु 25 वर्ष है, तो आप ये परीक्षा दे सकते हैं। नीट यूजी परीक्षा की प्रक्रिया क्या है: परीक्षा शिड्यूल की घोषणा होगी, फिर एनटीए की वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन करना होता है। उसके बाद परीक्षा आयोजित होती है, जिसमें रिजल्ट के आधार पर एक मेरिट सूची जारी की जाती है और उसके आधार पर आपको काउंसलिंग के लिए बुलाया जाता है। काउंसलिंग में आप अपनी पसंद के कॉलेज और कोर्स का विवरण देते हैं, जिसके बाद आपके स्कोर को देखते हुए (मेरिट लिस्ट) आपको दाखिले के लिए सीट दी जाती है। भारत में केवल उस एमबीबीएस कोर्स के छात्र को डॉक्टर के तौर पर प्रैक्टिस करने के लिए योग्यता प्रदान की गई है, जिस कोर्स की मान्यता भारत सरकार के अंतर्गत स्थापित नेशनल मेडिकल कमीशन यानी एनएमसी से है। इस संस्था को ही पहले मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया कहा जाता था। स्पष्ट कर दूं कि यदि कोई छात्र विदेश से एमबीबीएस की डिग्री लेकर आता है और उसे भारत में एक डॉक्टर के रूप में प्रैक्टिस करना है, तो उसे भारत में फिर से इंटर्नशिप करनी होगी और फिर नेशनल मेडिकल कमीशन द्वारा आयोजित स्क्रीनिंग परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी, जिसके बाद ही उनका रजिस्ट्रेशन नेशनल मेडिकल कमीशन में एक मेडिकल प्रैक्टिशनर के तौर पर होगा।

सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य शैक्षिक स्तंभकार गली कोर चंद वाली मंडी हरजी राम वाली मलोट पंजाब

शाखा मदुरवाईल फिरका तालुक की आम सभा

परिवहन विशेष न्यूज

मैसूर: फ्लावार होटल मेसूर में तामीलनाडु पॉन ब्रोकर ऐवम ज्वेलर्स एसोसिएशन शाखा मदुरवाईल फिरका तालुक कि आम सभा तामीलनाडु पॉन ब्रोकर ऐवम ज्वेलर्स एसोसिएशन मदुरवाईल फिरका तालुक के अध्यक्ष जबरचन्द बंब जैन कि अध्यक्षता मै आयोजित कि गई इस आम सभा मे मुख्य अतिथि के रुप में तामीलनाडु पॉन ब्रोकर ऐवम ज्वेलर्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष स्वामी तेजानन्द महाराज एवं सघंठन के प्रदेश उपाध्यक्ष भभुतराम कुलदानीया जाट, सघंठन के प्रदेश कोषाध्यक्ष ए. जी. श्याम भाटी साहित्कार सम्पतराज जैन उपस्थिति रहे। आम सभा को सम्बोधित करते हुए मुख्यअतिथि तामीलनाडु पॉन ब्रोकर ऐवम ज्वेलर्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष स्वामी तेजानन्द महाराज ने गिरवी ऐवम ज्वेलर्स व्यापारियों से कानून के दायरे मे रह कर व्यापार करने का आवाहन किया। इस आम सभा मे तामीलनाडु पॉन ब्रोकर ऐवम ज्वेलर्स एसोसिएशन मदुरवाईल फिरका तालुक के सचिव निर्मलकुमार जैन तालुक उपाध्यक्ष रामलाल सीरवी, राजेश सीरवी, जूगलचन्द जैन वह तालूक सघंठन सभी पदाधिकारिगण वह सदस्यगण मौजुद थे।

ग्लोबल कोल ओस्त्री कंपनी का सार्वजनिक सड़कों पर कोयले का निजी परिवहन

मनोरंजन सासमल, स्टेट हेड ओड़िशा

भुबनेस्वर्: अनुगोल जिल्ला का तालचेर ब्लक साउथ बलंदा औद्योगिक क्षेत्र में ग्लोबल कोल ओर्सरी कंपनी के मुख्य प्रबंध निदेशक श्री के.सी. पात्रा, एनटीपीसी से बलंदा की ओर जाने वाली सार्वजनिक सड़क, सेंट्रल कॉलोनी चोथाई हैटिंग स्ट्रीट के पास कोइला गाडि सड़क पार कर रहे थे। लंबे समय से यही स्थिति है कि कोयले की ढुलाई के कारण ट्रकों के पहियों पर कोयला डंप कर दिया जाता है। सी कंपनियों से निकलने वाले हानिकारक धुएं और कोयले से रोजाना लोग दुर्घटना का शिकार हो रहे हैंकंपनी से निकलने वाले जहरीले धुएं और कोयले के ढेर के कारण आसपास के बलंदा कॉलोनी, सेंट्रल कॉलोनी, टेंटोलेइ, घंटपड़ा, चालगाड़ और जगन्नाथपुर इलाके के लोग विभिन्न बीमारियों से पीड़ित हो रहे हैं और उनकी मौत हो रही है, इसकी जानकारी न तो जिला प्रशासन को है और न ही जिला प्रदूषण विभाग को इसके विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है, जिससे जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है और जनता में इसके शीघ्र निदान की मांग उठ रही है।

बिहार में ग़रीब दलितों के साथ आगे ऐसे जघन्य अत्याचार ना घटे, यह मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री की जिम्मेदारी : ठाकुर संजीव कुमार सिंह

नई दिल्ली। बिहार में कानून व्यवस्था की धज्जियां किस कदर उड़ चुकी हैं। इसका प्रमाण बुधवार को एक बार फिर सामने आया। नवादा जिले के ददौर गांव की कृष्णानगर नाम की एक दलित बस्ती में अत्याचारी दबंगों ने कई राउंड फायरिंग करने के बाद आग लगा दी जिसमें करीब 80 घर जलकर खाक हो गए। कई बेजुबानों के मरने की सूचना है।

कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता एवं सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता ठाकुर संजीव कुमार सिंह ने फिर से बिहार में वंचितों पर हो रहे अत्याचारों पर सवाल उठाते हुए कहा, भाजपा और एनडीए के सहयोगी दली के नेतृत्व में ऐसे अराजक तत्व शरण पाते है। देश में बहुजनों को डराते हैं, दबाते हैं, ताकि वो अपने सामाजिक अधिकार भी न मांग पाएं। बिहार नवादा अग्नि कांड में बेघर हुए ग़रीब दलित परिवारों के लिए छलका ठाकुर संजीव कुमार सिंह का दर्द उन्होंने कहा, भू-माफिया के साथ आए 100 से अधिक लोगों के हाथों में बंदूकें थीं। बस्ती में घुसते ही पहले फायरिंग की, अपराधी बस्ती को तहस-नहस करने लगे। असहाय गरीब दलितों ने उन्हें रोकने की कोशिश की तो अपराधियों के सामने जो कोई भी महिला पुरुष आ रहा था, वो उसे बैरहमी से पीट दे रहे थे। थोड़ी ही देर में 100 से अधिक अपराधियों ने बस्ती के 80 से अधिक घरों में पेट्रोल छिड़का और आग लगा दी। असहाय गरीबों ने आग बुझाने की कोशिश भी करने लगे लेकिन आग ने विकराल रूप ले लिया था।

उन्होंने कहा, महिलाओं ने अपने अपने जलते घरों से जैसे-तैसे जरूरत का सामान निकाला और बाहर की तरफ भागे। क्योंकि आग बहुत विकराल रूप ले चुकी थी और देखते-ही देखते मजदूरी करके अपने परिवार का गुजारा करने बाले ग़रीब दलित परिवारों की आंखों के सामने अपराधियों ने बसे बसाए आशियाने राख में तब्दील कर दिये। गरीबों के मवेशी तक जलकर मर गए। इस घटना

ग़रीब दलित बस्ती में 80 घरों में आगजनी व गोलीबारी की घटना बिहार में जंगलराज का जीता-जागता उदाहरण : ठाकुर संजीव कुमार सिंह

बड़ा सवाल, विहार में पुलिस प्रशासन के होते हुए ऐसी जघन्य घटना ग़रीब गरीब दलितों के साथ कैसे हो गयी? : ठाकुर संजीव कुमार सिंह

में बस्ती के कई लोग लापता भी हुए हैं। उनका कुछ भी पता नहीं चल पाया है। मेहनत मजदूरी करके अपना पेट पालते बाले ग़रीब दलितों के पास अब तो न घर रहा और न ही कुछ सामान, कहां जाएंगे और कहां रहेंगे अब वो नीतीश सरकार में रोने के सिवाय कुछ भी नहीं कर सके। उन्होंने कहा, बिहार के नवादा में भूमाफिया और अपराधियों के द्वारा ग़रीब गरीब दलितों बस्ती को जलाकर राख करके उनका जीवन उजाड़ देने की घटना अति दुखद और गंभीर है। इस गंभीर घटना के बाद बड़ा सवाल उठता हैं कि विहार में पुलिस प्रशासन के होते हुए ऐसी जघन्य घटना गरीब दलितों के साथ कैसे हो गयी?

उन्होंने आरोप लगाया कि ग़रीब दलित बस्ती में 80 घरों में आगजनी व गोलीबारी की घटना जंगलराज का जीता-जागता उदाहरण हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अब किस तरह अपने सुशासन का दावा कर सकेंगे, ये तो कहा नहीं जा सकता। फिलहाल इस मामले के बाद अब तक 15 लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है, जिसने घटना का मास्टरमाइंड बताया जा रहा भूमाफिया भी शामिल है। बिहार पुलिस से रिटायर हुआ अपराधी इस इलाके का बड़ा भूमाफिया है। लेकिन असली सवाल यह है कि क्या कोई सेवानिवृत्त शासकीय कर्मचारी, पुलिसकर्मी या सामान्य नागरिक इस कदर गुस्साहस कर सकता है कि उसके कहने पर एक पूरा गांव जला दिया जाए। यह वारदात साफ इशारा करती है कि बिहार में सरकार का इकबाल पूरी तरह खत्म हो चुका है। सरकार की पुलिस प्रशासन पर पकड़ कमजोर है और कानून-व्यवस्था गर्त में जा चुकी है। इस जघन्य घटना के बाद से पूरे गांव के ग़रीब दलितों में भय का माहौल है।

श्री सिंह ने आगे कहा, हम सीएम नीतीश कुमार से मांग करते हैं कि इस मामले में संलिप्त सभी 100 से अधिक अपराधियों को तत्काल गिरफ्तार कर भय का ये माहौल शीघ्र खत्म करने, साथ ही इस घटना के पीड़ितों को त्वरित इंसाफा मिले, यह सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए। इस अग्नि कांड से जुड़े सभी भू माफियाओं और अपराधियों की चल - अंचल संपत्ति, व्यापार और हथियारों को नीलम करके पीड़ितों को फिर से बसाने की व्यवस्था की जाएं और आगे ऐसी घटना घटे, यह उसकी जिम्मेदारी है। लेकिन मुख्यमंत्री कुमार और प्रधानमंत्री दोनों अपनी जिम्मेदारियों से चूक रहे हैं और मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री का मौन इस बड़े षड़यंत्र पर स्वीकृति की मोहर है। इस जघन्य घटना के बाद यह बात जगजाहिर है। अब नवादा पर भी वे चुप रहेगें क्योकि कांग्रेस के आरोपो सच्चे हैं। वैसे भी कांग्रेस की कही बहुत सी बातें आगे जाकर सच ही साबित हुई हैं। अब उसका नतीजा सामने है कि जिस सुशासन के दावे नीतीश कुमार को लेकर किए जाते रहे, उसकी हकीकत क्या है? अब तक कई पुलों का गिरना ही काफी नहीं था कि एक बार फिर जातीय हिंसा की भयावह याद ताजा कराती नवादा की घटना घटी है। फिलहाल जिस तरह भाजपा और एनडीए के बाकी दलों के दलित, वंचित विरोधी चेहरे सामने आए हैं, उसमे निंदा करना पर्याप्त नहीं होगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023